@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 7 सितंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 304 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली में इमारत गिरी: 1 की मौत

•छह का रेस्क्यू, मौके पर पहुंचीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में गिरी कई मंजिला इमारतों से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोगों को अब तक बचाया जा चुका है। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने घटना और रेस्क्यू किए गए लोगों की रिपोर्ट ली। दिल्ली पुलिस ने बताया कि यह इमारत 40-50 साल पुरानी थी, जिसमें एक बेसमेंट और पांच ऊपरी मंजिलें थीं और इसका इस्तेमाल पीजी (पेइंग गेस्ट) के तौर पर किया जा रहा था। घटना के समय बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। मलबे से एक निवासी को निकालकर एम्स के ट्रॉमा डिपार्टमेंट ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एनएसयूआई के नेशनल प्रेसिडेंट विनोद जाखड़ ने आईएएनएस को बताया कि घटना के बारे में पता चलने के बाद हम तुरंत उस जगह पहुंचे... हो सकता है कि हमारा

कोई एनएसयूआई सदस्य भी वहां फंसा हो। हमने खुद तीन लोगों को बाहर निकाला।

इस बीच, दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक स्टूडेंट ने इस घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि दोपहर का खाना खाने के तुरंत बाद हमें लगा कि इलाके में भूकंप आया है। हम चौथी मंजिल पर थे और महसूस कर सकते थे कि उस समय पूरी बिल्डिंग हिल रही थी। हम बालकनी में आए तो देखा कि चारों तरफ धूल ही धूल थी। फिर भी, हमें लगा कि यह भूकंप का असर है।

नीचे आने के बाद ही हमें पता चला कि एक इमारत गिर गई है। पुलिस या फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही, मैंने और कुछ अन्य लोगों ने मलबे से एक व्यक्ति को बाहर निकाला।उन्होंने आगे कहा कि इलाके में अफरातफरी मची हुई है। हमारे माता-पिता लगातार फोन कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि अब यहां रहना सुरक्षित है।

दिल्ली बिल्डिंग हादसे की खबर मिलते ही गृह मंत्री शाह ने गोवा कार्यक्रम बीच में ही छोड़ा

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना की जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोवा में अपना कार्यक्रम बीच में ही रोक दिया। शाह गोवा में भाजपा के नए प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, उद्घाटन समारोह के दौरान जैसे ही दिल्ली में इमारत गिरने और कई लोगों के मारे जाने की सूचना गृह मंत्री को मिली, उन्होंने कार्यक्रम बीच में ही छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में चल रहे राहत और बचाव कार्यों की जानकारी ली।

दिल्ली में इमारत गिरी:राहुल गांधी ने घटना पर जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में गिरी कई मंजिला इमारत से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोगों को अब तक बचाया जा चुका है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने इस घटना पर दुख जताया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। कई लोगों के मलबे में दबे होने की खबर है, जिनमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के कई छात्र भी शामिल हैं। मेरी अपील है कि एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस और सभी बचाव दल हर संभव प्रयास करके हर एक छात्र तक पहुंचें, घायलों को तुरंत सर्वोत्तम संभव इलाज मिले, ताकि किसी को भी बचाने में कोई कसर न छोड़ी जाए।

राहुल ही होंगे इंडिया गठबंधन का चेहरा

त्रिशूर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 2029 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करेंगे। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को यह बात कही। उन्होंने उन खबरों को खारिज किया, जिनमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके नेता सी जोसेफ विजय को 2029 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश किए जाने की बात कही गई थी। वेणुगोपाल ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि टीवीके ने ऐसी कोई मांग नहीं की है। उन्होंने कहा, %%किसी को भी इस तरह का कोई भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। राहुल गांधी इंडिया गठबंधन का चेहरा होंगे।%% वेणुगोपाल ने कहा कि छात्रों, किसानों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर गांधी के राजनीतिक अभियानों को पूरे देश में काफी ध्यान मिला है। कांग्रेस नेता ने कहा, आज भारत में जिस लड़ाई का वह नेतृत्व कर रहे हैं, उसकी सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, चाहे वह छात्रों, किसानों या युवाओं के लिए हो।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,
अभी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर मुझे राष्ट्र निर्माण की नींव रखने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। **शिक्षक वह दीप हैं, जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं।** इसी ज्ञान के विस्तार और प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में 8 सितंबर को हम अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाएंगे।
हमारे बच्चे विद्यालय क्यों जाते हैं? केवल पढ़ना-लिखना सीखने के लिए? जी नहीं, हमारा उद्देश्य बच्चों को ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं जीवन को सही दिशा देने वाली समझ देना है। **हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल इसी समग्र शिक्षा के केंद्र रहे हैं,** जहां ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा भी दी जाती थी। यही भाव आज भी हमारी शिक्षा का आधार होना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह जीवन को सरल बनाए और समाज के लिए उपयोगी बने।
आज तकनीक तेजी से हमारे जीवन को बदल रही है। **ऐसे में डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता भी समय की आवश्यकता है।** AI, डीप-टेक और उभरती प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। हमारी सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। **लखनऊ में AI City और कानपुर में ड्रोन एवं UAV तकनीक का विकसित होता पारिस्थितिकी तंत्र उत्तर प्रदेश के तकनीकी भविष्य की नई संभावनाओं का आधार बन रहा है।**
इसी दिशा में हमारी सरकार ने **ऑपरेशन कायाकल्प, मिशन प्रेरणा, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और कौशल विकास कार्यक्रमों** के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयी सुविधाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया है। इन प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश के विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है और अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।
इस पूरी यात्रा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे विद्यार्थियों में संस्कार, जिज्ञासा, अनुशासन, आत्मविश्वास और दायित्वबोध जगाते हैं तथा हमारी गौरवशाली ज्ञान-परंपरा को आधुनिक ज्ञान और नवाचार से जोड़ते हैं।
लेकिन साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता। **यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति अक्षर ज्ञान से वंचित है, तो उसे साक्षर बनाना हम सभी का कर्तव्य है।** किसी को पढ़ना-लिखना सिखाने का छोटा-सा प्रयास उसके जीवन में ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसरों के नए द्वार खोल सकता है।
आइए, इस अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर संकल्प लें कि **हर बच्चा विद्यालय पहुंचे, हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाए, हर युवा कौशल और नवाचार से जुड़े तथा हर नागरिक साक्षर होने के साथ डिजिटल ज्ञान और एआई के प्रति जागरूक बने।**

आपका
योगी आदित्यनाथ

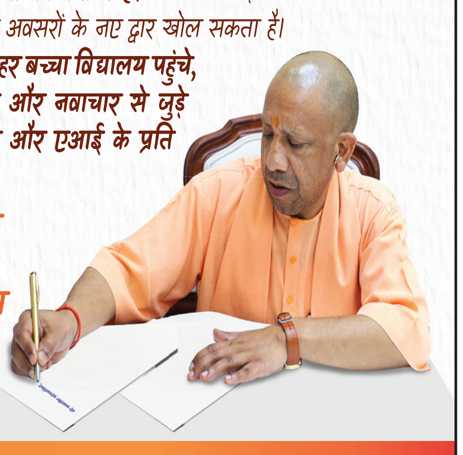

तमसो मा ज्योतिर्गमय
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य सम्बन्धी जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका
लखनऊ, 6 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज अतिवृष्टि से प्रभावित जनपद चित्रकूट के भ्रमण के उपरान्त अपने सरकारी आवास पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जाए। फसल तथा मकान की क्षति का तत्काल सर्वे कराकर पात्र लोगों को नियमानुसार सहायता दी जाए। मुख्यमंत्री जी ने मंदाकिनी नदी के कैचमेन्ट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर उसे हटाने की कार्रवाई कराने, नदी पर बने फुट ओवर ब्रिज का सेफ्टी ऑडिट कराने तथा मंदाकिनी में सीवर और नालों का पानी किसी भी दशा में न जाने देने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चित्रकूट धाम के व्यापारियों और मठ-मन्दिरों को हुए नुकसान का आकलन कर सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही भविष्य में

ऐसी स्थिति से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसल क्षति का सर्वे शीघ्र पूरा कराया जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए भी प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री जी ने चित्रकूट धाम के व्यापारियों को हुए नुकसान का आकलन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित व्यापारियों को सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। मठ-मन्दिरों को हुई क्षति का भी सर्वे कराया जाए और उनकी मरम्मत का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। इन धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण में शासन आवश्यक सहयोग करेगा।

शेष पृष्ठ 3 पर

छत्तीसगढ़ के कोंड़ागांव में 30 किलो विस्फोटक-पिस्टल सहित बड़ी मात्रा में नक्सली डंप बरामद

कोंड़ागांव के एसपी पंकज चंद्रा ने इसकी पुष्टि की है।

एजेंसी
कोंड़ागां। छत्तीसगढ़ के कोंड़ागांव जिले में रविवार को नक्सल सेल, डीआरजी, बस्तर फाइटर्स एवं बीडीएस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 30 किलो विस्फोटक, पिस्टल सहित भारी मात्रा में नक्सली डंप सामग्री बरामद की। कोंड़ागांव के एसपी पंकज चंद्रा ने इसकी पुष्टि की है। नक्सलियों के छिपाकर रखे गये हथियार, आईईडी एवं अन्य सामग्रियों की बरामदगी के लिए सतत सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत आज कोंड़ागांव नक्सल सेल, डीआरजी, बस्तर फाइटर्स एवं बीडीएस की संयुक्त कार्रवाई में आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर थाना मर्दापाल क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कोरमेल, पुसपाल मोखामारी के आस-पास जंगल-पहाड़ क्षेत्र में अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान संयुक्त टीम ने ग्राम पुसपाल मोखामारी जंगल-पहाड़ी क्षेत्र की घेराबंदी कर डी-मॉइनिंग-सर्चिंग की कार्रवाई में 10 किलोग्राम टिफिन आईईडी, 01 नग 9 एम.एम. पिस्टल, जीलेटीन विस्फोटक 20 किलोग्राम सहित बड़ी मात्रा में नक्सली डम्प बरामद किया। पुलिस के अनुसार 10 किलोग्राम टिफिन आईईडी को बीडीएस टीम द्वारा सुरक्षा के दृष्टिगत मौके पर ही नष्ट किया गया। बरामद नक्सली डम्प से टिफिन बम 03 नग (कुल

वजन 10 किलोग्राम), जीलेटीन 160 नग (कुल वजन 20 किलोग्राम), डेटोनेटर इलेक्ट्रिक 01 नग, डेटोनेटर नान इलेक्ट्रिक 19 नग, 9 एम.एम. पिस्टल 01 नग, नीला कवर का ग्रिप लगा हुआ, वॉकी-टॉकी 06 नग, मय एंटीना चार्जर हेण्डफोन 06 नग, डेटोनेटर कमर्शियल 40 नग, वायर इलेक्ट्रिक 04 बंडल, सेफ्टी फ्यूज 01 मीटर, कारडेक्स वायर रंग लाल 05 मीटर लगभग, पाइप लोहे का 01 नग (लंबाई 33 इंच, गोलाई 9.5 इंच), पॉलिथिन हरा 05 किलोग्राम बरामद किया गया है।

विदेश राज्य मंत्री ने सऊदी अरब के मंत्री सुलेमान अल-राजही से की मुलाकात

नई दिल्ली/रियाद। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने रविवार को सऊदी अरब के मानव संसाधन एवं सामाजिक विकास मंत्री इंजीनियर अहमद बिन सुलेमान अल-राजही से यहां मुलाकात की।कीर्ति वर्धन सिंह ने एक्स पर लिखा, 'सऊदी अरब के मंत्री अहमद बिन सुलेमान अल-राजही से मिलकर खुशी हुई। श्रम तथा जनशक्ति क्षेत्र में भारत-सऊदी अरब के सहयोग को और मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी की गहराई और बढ़ती गति को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि कीर्ति वर्धन शनिवार को सऊदी अरब की द्विपक्षीय यात्रा के लिए रियाद पहुंचे। यहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

उपराष्ट्रपति ने गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह में दिलाई नशामुक्ति की शपथ

'उच्च शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल छात्रों को करियर के लिए तैयार करना नहीं होना चाहिए'

एजेंसी
गुवाहाटी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई और युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में नशे के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए युवाओं से इससे दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका

महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति ने असम को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की भूमि बताते हुए शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल छात्रों को करियर के लिए तैयार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध जिम्मेदार नागरिक भी बनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने गीतानगर कॉलेज के नए अकादमिक भवन का उद्घाटन भी किया।

सीजेपी के आंदोलनों को राजनैतिक दलों ने किया हाईजैक: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आंदोलन को राजनीतिक दलों पर हाईजैक करने का आरोप लगाया है। जेन-जी के जंतर मंतर आन्दोलन के दौरान पुलिस अगर समय से उचित कार्रवाई करती तो संजय आज़ाद जैसी गंभीर घटना नहीं होती। मायावती ने रविवार को एक पोस्ट में लिखा कि सीजेपी का छात्रों की समस्या और युवाओं के बेरोजगारी समेत कई ज्वलंत मुद्दे को लेकर जंतर मंतर आन्दोलन के दौरान जो बड़े-बड़े सपने दिखाये गये थे। अब वे स्वतंत्र कम और राजनीतिक ज़्यादा होकर गंभीर शंकाओं में घिर गये हैं। ऐसा लगता है कि सीजेपी के आन्दोलन को विभिन्न राजनीतिक पार्टियों ने कथित तौर पर कब्जा कर लिया है।

योगी सरकार ट्रामा एंड इमरजेंसी नेटवर्क से हर साल बचाएगी 12 हजार लोगों की जान

सीएम योगी के निर्देश पर एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और कमांड सेंटर को एक ही आपात नेटवर्क में जोड़ने पर दिया जा रहा जोर

एजेंसी
लखनऊ। मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर आपात स्थितियों में मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ी पहल की जा रही है। इसके तहत यूपीटीईएन (उत्तर प्रदेश ट्रामा एंड इमरजेंसी नेटवर्क) को एक ऐसे एकीकृत आपात चिकित्सा नेटवर्क के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य दुर्घटना या मेडिकल इमरजेंसी के बाद शुरुआती 60 मिनट

यानी 'गोल्डन ऑवर' में मरीज को सही उपचार तक पहुंचाना है। यूपीटीईएन के जरिए प्रदेश की बिखरी ट्रॉमा, बर्न, कार्डियक, स्ट्रोक और अन्य इमरजेंसी सेवाओं को एक नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। योजना के तहत 173 एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन यूनिट विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें 11 लेवल-1 एपेक्स हब, 36 लेवल-2 रीजनल सेंटर और 126 लेवल-3 जिला स्तर की इकाइयां शामिल होंगी। इसका मकसद मरीज को जरूरत के अनुसार नजदीकी और सक्षम चिकित्सा केंद्र तक तेजी से पहुंचाना है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित घोष ने बताया कि व्यवस्था के जरिए हर साल 10 हजार से 12 हजार लोगों की जान बचाने का लक्ष्य रखा गया है। विशेषज्ञों की मानें तो समय पर इलाज मिलने से गंभीर दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और स्थायी विकलांगता के मामलों में कमी लाई जा सकती है। इसके लिए केवल अस्पतालों की संख्या बढ़ाने के बजाय अस्पताल, एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और कमांड सेंटर को एक ही आपात नेटवर्क में जोड़ने पर जोर दिया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष सोमवार को दो दिवसीय अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को फरीदाबाद में दो दिवसीय अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम जेंडर-रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस विषय पर आधारित होगा। इसे फरीदाबाद के ताज सूरजकुंड रिज़ॉर्ट में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की ओर से आयोजित किया जाएगा।

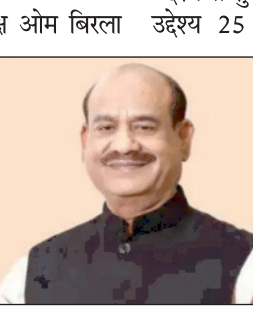

यह राष्ट्रीय कार्यशाला महिला प्रतिनिधियों की राजनीतिक क्षमताओं और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य 25 राज्यों की 200 से अधिक महिला विधायकों को विशेष प्रशिक्षण देना है, जिससे विधायी प्रक्रियाओं, नीति-निर्माण, प्रभावी संचार, बातचीत के कौशल और समावेशी नेतृत्व के बारे में उनकी समझ को बेहतर बनाया जा सके। इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विजय ने पुलिस के कल्याण, आधुनिकीकरण पर दिया जोर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को पुलिस दिवस के अवसर पर पुलिस बल को शुभकामनाएं देते हुए उनके कल्याण, कार्यभार में कमी और आधुनिकीकरण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री ने समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के निस्वार्थ सेवाभाव, साहस और त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी न केवल अपराध रोकते हैं, बल्कि प्रतिकूल परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं में भी लोगों की जान-माल की रक्षा करते हैं। विजय ने घोषणा की कि उनकी सरकार पुलिसकर्मियों का कार्यभार कम करने, उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस करने और उनके तथा उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाएं सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण तमिलनाडु के निर्माण के लिए जनता से पुलिस के साथ विश्वास और सद्भाव से काम करने का भी आह्वान किया।

दिल्ली में लाठी-डंडों से पीट-पीटकर युवक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली इलाके में रविवार सुबह 5 बजे एक शख्स की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। ये मामला ईस्ट दिल्ली के मयूर विहार फेज 3 का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचीं और शव को बरामद किया। मौके पर फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट की टीम को भी बुलाया गया जो सबूत जुटा रही है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटवी फुटेज भी बरामद किया है और अब उसे खंगाल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना के चश्मदीद सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि दो लोग मिलकर एक शख्स को मार रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने सुबह 4 बजे कुछ लोगों को देखा था। वह लोग मुझे भी जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे, जिसके बाद मैं वहां से साइड हो गया और फोन किया। गार्ड ने बताया कि उन्होंने फोन करके पुलिस को इस मामले की जानकारी दी थी। सीसीटीवी फुटेज में दो लोगों को साफतौर पर एक शख्स को डंडों से पीटते देखा जा सकता है। पुलिस इन फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश कर रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध, विधायक को दिखाए काले झंडे, कार पर चढ़े लोग

जयपुर (एजेंसी)। नगर निकाय चुनाव की वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे जयपुर में टिकट वितरण को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। अब आमेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर-149 में कांग्रेस प्रत्याशी अंजलि ब्रह्मभट्ट के विरोध ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। आमेर के हांडीपुरा इलाके में अंजलि ब्रह्मभट्ट के समर्थन में पहुंचे आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा। लोग अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस का टिकट दिए जाने से नाराज हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी की गाड़ी इलाके में पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और नारेबाजी की। विरोध इतना बढ़ गया कि कुछ लोग गाड़ी के पास पहुंच गए और वाहन को रोकने की कोशिश करने लगे। मौके पर मौजूद समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। बताया जा रहा है कि लोगों की मुख्य नाराजगी वार्ड नंबर-149 से निवर्तमान पार्षद अंजलि ब्रह्मभट्ट को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर है। लोग टिकट वितरण के फैसले का विरोध कर रहे थे और इसी नाराजगी का सामना विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा को भी करना पड़ा।

मायावती का आरोप : राजनीतिक दल जेन-जी आंदोलन को कर रहे हाइजैक

-युवाओं के भविष्य पर जताया संदेह

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने जेन-जी युवाओं और बेरोजगारों के आंदोलनों को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दल इन प्रदर्शनों को हाइजैक कर रहे हैं, जिससे युवाओं और छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा हो रहा है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि इसतरह के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिससे यह साबित होता है कि युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों से जुड़े जेन-जी आंदोलन अब स्वतंत्र न रहकर धीरे-धीरे राजनीतिक हो गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से जंतर-मंतर आंदोलन का जिक्र किया, जहां युवाओं और छात्रों को बड़े सपने दिखाए गए थे, लेकिन अब वे राजनीतिक दलों द्वारा आंदोलनों पर कथित कब्जे के कारण गंभीर संदेह का सामना कर रहे हैं। हालांकि, मायावती ने स्पष्ट किया कि बीएसपी हमेशा जेन-जी और जेन-अल्फा की जायज मांगों के प्रति सहानुभूति रखती है और उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेती है। उन्होंने सभी बीएसपी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मिलकर युवाओं की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में मदद करे। इसके साथ ही, उन्होंने बीएसपी कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पालन करते हुए धरने, प्रदर्शन या आंदोलनों में शामिल न होने की सलाह दी।

अरुणाचल में पहली बार भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक

मौजूदा मुद्दों पर दोनों पक्षों में हुई बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और चीन की सेनाओं ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में पहली बार कोर कमांडर स्तर की महत्वपूर्ण बैठक की। यह वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट के भारतीय क्षेत्र में स्थित वाचा पर हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश से जुड़े सीमा क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करना और उनके समाधान के रास्ते निकलना था।

बात दें कि अरुणाचल प्रदेश में कोर कमांडर स्तर की पहली बातचीत रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरुणाचल का सीमावर्ती इलाका दोनों देशों के लिए अहम है और पहले इसतरह की बैठकें मुख्य रूप से लद्दाख सेक्टर तक सीमित रही हैं। भारतीय पक्ष का नेतृत्व तीन कोर कमांडरों ने किया, जिसमें तेजपुर स्थित 4 कोर और रंगापहार स्थित 3 कोर के प्रमुख शामिल थे, जो अरुणाचल प्रदेश में एलएसी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। भारत-चीन एलएसी पर पांच बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) पॉइंट हैं, जिसमें से दो अरुणाचल प्रदेश में हैं, वाचा इन्हीं दो बीपीएम पॉइंट में से एक है।

यह वार्ता तब हुई है जब भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी है। दोनों देशों की एलएसी को लेकर अपनी-अपनी अलग राय है, इस कारण अक्सर जमीनी स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना ने उन इलाकों में चीनी सैनिकों के रुख से निपटने के लिए बेहद सख्त रवैया अपनाया है, जहां अभी भी मुद्दे अनसुलझे हैं। पूर्व में, लद्दाख सेक्टर में चुशुल-मोल्डो बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर एलएसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बैठकें होती रही हैं, खासकर 2020 की गलवान झड़पों के बाद, जब दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

सैन्य स्तर की यह ताजा बातचीत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की हालिया चीन यात्रा के बाद हुई है। एनएसए डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ 'स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स डायलॉग' के तहत बातचीत की थी, जिसका मुख्य केंद्र सीमा तय करने और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखना था। इस बीच, उम्मीद है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा कर रहे है। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) ने भी पूर्वोत्तर में हॉटलाइन बनाने और कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बातचीत की संभावनाओं का स्वागत कर 'एक स्वागत योग्य कदम' बताया है।

मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटके, बारिश और भूस्खलन से बढ़ी चिंता

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। प्रकृति के कुपित रूप का अनुभव पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला इन दिनों कर रहा है। भारी बारिश और भूस्खलन की लगातार घटनाओं के बाद, शनिवार देर रात भूकंप के झटकों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी। यदि प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति को देखना हो, तो नेपाल जैसी जगहों पर आई विनाशकारी आपदाओं को याद किया जा सकता है, और अब मुर्शिदाबाद में भी प्रकृति का रौद्र रूप एक के बाद एक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार देर रात 10 बजकर 24 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई, जबकि भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। एनसीएस ने इसका केंद्र मुर्शिदाबाद में ही रिकॉर्ड किया है। हालांकि इन झटकों से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन अचानक आए कंपन से लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब मुर्शिदाबाद जिला पहले से ही प्रकृति के अन्य प्रकोपों से जूझ रहा है। पिछले कुछ दिनों से यहां भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन भूस्खलनों ने एक बार न्यू फरक्का रेल रूट को भी बाधित कर दिया था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद यातायात के लिए बहाल किया जा सका है। अब उसी मुर्शिदाबाद में भूकंप के झटकों ने लोगों की बेचैनी को और बढ़ा दिया है।

क्या अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे?: राजभर

सहारनपुर,, एजेंसी।
यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सहारनपुर की कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए पूछा कि अखिलेश जी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे? क्या आप मसूद भाई की बातों का समर्थन करेंगे? यूपी पूछ रहा है, बताइए ना? उन्होंने यह बात मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद मिल रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के जवाब में कही।

बता दें सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद को लेकर विवाद था। इस पर नगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में वाद दायर किया गया था, जिसमें मस्जिद अपने पक्ष में सुबूत नहीं दिखा सका, जिस पर इस मस्जिद के ध्वस्तीकरण के साथ ही 6 करोड़ से अधिक की क्षतिपूर्ति का आदेश पारित किया गया। मस्जिद पक्ष नगर मजिस्ट्रेट के फैसले के खिलाफ जिला अदालत में गया, लेकिन अदालत ने सुबूतों को देखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद शनिवार तड़के प्रशासन ने मस्जिद को गिरा दिया। इस पर स्थानीय सांसद इमरान मसूद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी ऐतराज जताया, लेकिन सबको हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। इमरान मसूद ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्त करने के सवाल पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग धार्मिक स्थलों को गिराते हैं और दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। उन्होंने इसे गलत ठहराया।

नेपाल जैसा भारत में भी ग्लेशियल झीलों से विनाश का खतरा: एनडीएमए

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाल ही में ग्लेशियर फटने से नेपाल में आई भीषण तबाही के बाद भारत में भी ऐसे ही विनाश की आशंका जताई जा रही है। देश की 40 ग्लेशियल झीलों को संभावित खतरे में बताया है, जिनमें से 7 को अत्यधिक उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। एनडीएमए के मुताबिक, नेपाल-तिब्बत सीमा से सटे भारतीय इलाकों में स्थित ये झीलें कभी भी एक बड़े संकट का कारण बन सकती हैं। नेपाल में हाल ही में हुए ग्लेशियर फटने से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 4,000 से ज्यादा लापता हो गए थे, जिसने भारत को भी सतर्क कर दिया है। इस भयावह परिदृश्य के मद्देनजर, एनडीएमए ने विशेष रूप से सिक्किम में 40 उच्च-खतरे वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान की है, जिनमें से 7 को उच्च जोखिम श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। इन 40 संवेदनशील झीलों में से 16 का वर्गीकरण हो चुका है, जबकि 13 अभी भी वर्गीकृत नहीं हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 16 प्राथमिकता वाली संवेदनशील झीलों में से 13 का विस्तृत वैज्ञानिक आकलन किया गया है। इनमें से अधिकांश झीलें लगभग 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इस संभावित आपदा से बचाव के लिए सिक्किम राज्य ने कई महत्वपूर्ण उपाय प्रस्तावित किए हैं। सिक्किम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव संदीप तांबे ने बताया कि हालिया आकलन में झीलों की गहराई, पानी की मात्रा, मोरेन की मजबूती और हिमस्खलन व भूस्खलन से होने वाले खतरों की जांच की गई है। प्रमुख उपायों में शाको चू झील में सोलर-पावर्ड पंपों का उपयोग करके जल स्तर को 20 से 40 मीटर तक कम करना शामिल है, जिससे लगभग 80 लाख घन मीटर पानी निकाला जाएगा। दूसरा प्रस्ताव साउथ-नॉर्थ लोनाक क्लस्टर के लिए है, जहाँ डोलमा संपांग में लगभग 24 किलोमीटर नीचे एक पत्थर-चिनाई वाली रोक संरचना का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि संभावित बाढ़ के बल को कम किया जा सके। तीसरा प्रस्ताव गुरुदोंगमार झील परिसर के लिए है, जहाँ अधिकारी मोरेन प्लग पर एक सुरक्षा दीवार बनाने पर विचार कर रहे हैं, ताकि पवित्र झील को नुकसान पहुंचाए बिना पानी के निकलने को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा, सिक्किम अपने रियल-टाइम निगरानी और पूर्व-चेतावनी सिस्टम का विस्तार भी कर रहा है। शाको चू, केरांग और डोलमा संपांग में स्वचालित निगरानी स्टेशन पहले से ही कार्यरत हैं, और अधिकारी डॉप्लर वेदर रडार लगाने के लिए जगहों की तलाश कर रहे हैं। राज्य में 400 से अधिक ग्लेशियल झीलें हैं, जिनमें से फिलहाल 16 को अत्यधिक संवेदनशील बताया गया है। यह नवीनतम आकलन अक्टूबर 2023 में हुई भीषण ग्लेशियल झील आउटबर्स्ट बाढ़ के बाद आया है।

राज्यसभा न भेजे जाने पर बोलीं स्मृति: पद नहीं, अवसर महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय टीम में अपनी वापसी के बाद विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी है। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान, उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से मिली हार के बाद राज्यसभा न भेजे जाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के संगठन में पद केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक अवसर होता है। ईरानी ने कहा, अगर राजनीतिक ताकत ही महत्वपूर्ण होती, तो मैं कभी अमेठी नहीं जाती। क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अमेठी भाजपा के लिए एक हारने वाली सीट रही है। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी 2011 से 2019 तक राज्यसभा सांसद रही थीं। इसी दौरान उन्होंने 2019 के चुनाव में अमेठी में राहुल गांधी के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

अपनी राजनीतिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए, ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा में अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह पहली बार 2003 में युवा मोर्चा महाराष्ट्र में पदाधिकारी बनी थीं, और उनके साथ तत्कालीन उपाध्यक्ष देवेंद्र फडणवीस थे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि उस समय उन दोनों ने कभी नहीं सोचा था कि वे आज इस मुकाम पर पहुंचेंगे। ईरानी ने प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे जैसे नेताओं को प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई सराहना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एक समर्पित भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, ईरानी ने बताया कि युवा मोर्चा के समय वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की मदद के लिए घर से पेट्रोल और पानी के पैसे भी मांगती थीं। इस पर उनके घरवाले कई बार उन्हें टोकते थे। उन्होंने कहा, तब हम कहते थे कि हाँ, ताकि हम अपने साथियों की मदद कर सकें। उन्होंने अपने संगठन मंत्री वी. सतीश जी का भी जिक्र किया, जिन्होंने उन्हें गरीब कार्यकर्ताओं की मदद करने और उन्हें साथ लेकर चलने की सीख दी। ईरानी ने जोर देकर कहा कि ऐसे मजबूत संगठन और पृष्ठभूमि से आने पर पद का महत्व गौण हो जाता है। एक साक्षात्कार के दौरान, स्मृति ईरानी से बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान वायरल हुए वीडियो पर भी सवाल पूछा गया, जिसमें विपक्ष ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें नजरअंदाज किया था। इस पर ईरानी ने जवाब दिया, हाँ, उस समय मैं और दादा (मिथुन चक्रवर्ती) एक साथ ही बैठे हुए थे। वीडियो में पीएम मोदी की पीठ दिखाई दे रही है। किसे पता है कौन किसको हाथ जोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वह पल बेहद भावुक करने वाला था, और मंच पर मौजूद हर व्यक्ति की अपनी कहानी थी, खासकर बंगाल में कार्यकर्ताओं ने बहुत कुछ झेला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री उन पुराने कार्यकर्ताओं का अभिवादन कर रहे थे, जिन्होंने बंगाल में उनके लिए गालियाँ सुनी हैं। ईरानी के अनुसार, मायने रखती है तो केवल जीत और बंगाल के कार्यकर्ताओं को मिलने वाला न्याय।

सागर में जहरीली शराब से अब तक 12 लोगों की मौत, 35 अस्पताल में भर्ती

-रात में बिगड़ी थी तबीयत, मरने वालों में चार गांवों के लोग शामिल

सागर, एजेंसी।
मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब पीने से अबतक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर बनी बताई जा रही है। मौतों का आंकड़ा और भी बढ़ने की आशंका है। डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। घटना के बाद प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है। शराब पीने वाले लोगों को चेकअप के लिए अस्पताल लाया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल और पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बंडा पहुंचे। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली और मामले की जांच शुरू कराई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बंडा में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के मुताबिक मृतकों में गोलू उर्फ चमन लोधी (45), निवासी गूगरा खुर्द, दिग्विजय लोधी (28), निवासी नौराज, करतार सिंह लोधी (30), निवासी नौराज, उजियार सिंह लोधी (56), निवासी गूगरा खुर्द, रोशन लोधी (30), निवासी पाटन थाना विनायका और राजेंद्र लोधी (32), निवासी नौराज-गूगरा शामिल हैं। गोलू उर्फ चमन को पहले से कैंसर की शिकायत होने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं हरनाम राय (42), निवासी चौका, उत्तम नत्थू नायक (42), निवासी दलपतपुर, मंगल रजक (40), निवासी गूगरा खुर्द, परम आदिवासी, निवासी हिनौता और धनसिंह आदिवासी (30), निवासी हिनौता को गंभीर हालत में बीएमसी सागर रेफर किया गया है। प्रशासन और पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जहरीली शराब की आशंका को लेकर भी जांच की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब पी है या जहरीली शराब के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत स्क्रीनिंग कराएं। उन्होंने कहा कि लोग स्थानीय डॉक्टरों की टीम से संपर्क कर सकते हैं या सीधे अस्पताल पहुंचकर जांच करा सकते हैं। मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कहा गया है।

अल नीनो ने बढ़ाई चिंता, इस साल आखिरी महीने में और बढ़ सकता है प्रभाव

–समुद्र के अंदर जमा अतिरिक्त गर्मी अल नीनो को और कर सकती है मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस साल दुनिया के कई हिस्सों में मौसम अपना रौद्र रूप दिखा रहा है। भीषण गर्मी, हीटवेव, मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब मौसम विशेषज्ञों के बीच प्रशांत महासागर में मजबूत हो रहे अल नीनो को लेकर चिंता है। आशंका जताई जा रही है कि साल के आखिरी महीनों में इसका प्रभाव और तेज हो सकता है और फरवरी 2027 तक मौसम के असामान्य हालात बने रह सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो उस स्थिति को कहा जाता है, जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर की समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के तापमान, बारिश और मौसमी गतिविधियों पर पड़ता है। इस बार समुद्र के तापमान में हो रही बढ़ोतरी ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। अल नीनो 3.4 सूचकांक से जुड़े आंकड़ों में जुलाई में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से करीब दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा बताया। बाद की साप्ताहिक रीडिंग में यह अंतर बढ़कर करीब 2.2 से 2.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र की गहराई में भी असामान्य गर्मी दर्ज की गई है। जुलाई और अगस्त में प्रशांत महासागर के कुछ गहरे हिस्सों में पानी का तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि समुद्र के अंदर जमा यह अतिरिक्त गर्मी अल नीनो को और मजबूत कर सकती है। इसी वजह से इसके संभावित प्रभाव को बेहद गंभीर माना जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से जारी आकलनों के मुताबिक अल नीनो की स्थिति के फरवरी 2027 तक बने रहने की संभावना है। इसके 2026 के अंत तक मजबूत होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी बढ़ते वैश्विक तापमान और चरम मौसम की घटनाओं को लेकर चिंता जता चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र के बढ़ते तापमान के साथ दुनिया के कई हिस्सों में गर्मी और अन्य चरम मौसमी घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। भारत के लिए अल नीनो विशेष चिंता का विषय है। मजबूत अल नीनो का असर भारतीय मानसून पर पड़ सकता है, जिससे बारिश कमजोर या अनियमित होने का खतरा रहता है। इसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। हालांकि, अल नीनो का हर बार भारत के मानसून पर एक जैसा प्रभाव नहीं पड़ता और अन्य मौसमी कारक भी अहम भूमिका निभाते हैं। सर्दियों को लेकर भी तस्वीर साफ नहीं है। अल नीनो वैश्विक तापमान और

मौसमी पैटर्न को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारत में इस बार सर्दी आएगी ही नहीं। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले महीनों में समुद्री तापमान, मानसूनी परिस्थितियों और अन्य वायुमंडलीय संकेतकों पर नजर रखना जरूरी होगा।

नहाते समय बसहा नाला में डूबने से 12वीं के छात्र की मौत, घर में मचा कोहराम

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में रविवार को बसहा नाला पुल के पास नहाते समय डूबने से किशोर की मौत हो गई। वह पाहो गांव स्थित जनता इंटर कॉलेज में कक्षा 12वीं का छात्र था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। मामला खीरों क्षेत्र के नया खेड़ा मजरे धुराई गांव का है। गांव निवासी महेंद्र कुमार (16) पुत्र रामशंकर गौतम की मौत हुई है। मां प्रेमा ने बताया कि रविवार की छुट्टी होने के कारण महेंद्र सुबह करीब 9:30 बजे कपड़े धोने के बाद खेतों में जाने की बात कहकर घर से निकला था। वह गांव के ही बादल (09) के साथ बसहा नाला पुल के पास नहाने चला गया। उन्होंने बताया कि नहाते समय महेंद्र गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। यह देखकर बादल ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। शोर सुनकर पड़ोसी गांव शंकरखेड़ा के करीब एक दर्जन ग्रामीण मौके पर पहुंचे और महेंद्र को पानी से बाहर निकाला। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही गांव के बीडीसी सदस्य गुड्डू गौतम मौके पर पहुंचे। निजी साधन से महेंद्र को सीएचसी खीरों लेकर गए। वहां चिकित्सक डॉ. पीके श्रीवास्तव ने उसे मृत घोषित कर दिया। मां ने बताया कि दोपहर करीब 1.00 बजे उन्हें बेटे के डूबने की सूचना मिली। अस्पताल पहुंचने पर महेंद्र की मौत हो चुकी थी। बेटे की मौत की खबर सुनकर मां प्रेमा कई बार रोते-रोते बेहोश हो गईं। बड़ी बहन निशा, छोटी बहन निहाली समेत अन्य परिजन व रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए। पिता रामशंकर, बड़े पुत्र जितेंद्र के साथ अहमदाबाद में नौकरी करते हैं। उन्हें फोन से घटना की सूचना दी गई है। घटना की सूचना पर हल्का लेखपाल जितेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट उच्चाधिकारियों के माध्यम से शासन को भेजी जाएगी। पीड़ित परिवार को शीघ्र सहायता राशि दिलाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि मृतक की मां की सूचना पर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्ति अभियान के तहत योगासन व ध्यान का आयोजन

नोएडा। सेक्टर- 39 स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के तहत क्रीड़ा विभाग की ओर से योगासन व ध्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक शांति और नशे से दूर रहने की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन क्रीड़ा प्रभारी डॉ रेनू तोमर और सदस्य डॉ अपर्णा की देखरेख में हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न प्रकार के योगासनों का अभ्यास किया। ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, पद्मासन और प्राणायाम जैसे आसनों के माध्यम से उन्होंने शारीरिक लाभ प्राप्त किए।

प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य सम्बन्धी जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए: मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये कि शेष राहत किट का वितरण 48 घण्टे के भीतर प्रभावित लोगों के बीच सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रशासन प्रभावित परिवारों के बीच लगातार मौजूद रहकर उनकी जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार उपलब्ध रहें और प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता समय पर मिले। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इसके दृष्टिगत प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य सम्बन्धी जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी बीमारी के लक्षण सामने आने पर तत्काल उपचार और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री जी ने मंदाकिनी नदी के कैचमेन्ट एरिया में अतिक्रमण के सम्बन्ध में शासन के अधिकारियों को जनपदीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैचमेन्ट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर नियमानुसार उसे हटाने की कार्रवाई की जाए। घाट के विस्तारीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि पवित्र मंदाकिनी नदी में किसी भी दशा में सीवर या नालों का पानी नहीं जाना चाहिए। इसके लिए पर्यटन, सिंचाई और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय से ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करें। उन्होंने कहा कि मंदाकिनी चित्रकूट की आस्था से जुड़ी है। इसकी स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखना सभी सम्बन्धित विभागों की जिम्मेदारी है। मंदाकिनी नदी पर बने फुट ओवर ब्रिज की सुरक्षा को देखते हुए मुख्यमंत्री जी ने पी0डब्ल्यू0डी0 को उसका सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा से जुड़े निर्माण कार्यों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और आवश्यकतानुसार तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री जी ने चित्रकूट धाम से एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि इस मार्ग का कार्य विजयादशमी से पहले हर हाल में पूरा कराया जाए। कार्य में हुए विलम्ब के कारणों की समीक्षा कर सम्बन्धित की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने पशुधन की सुरक्षा के लिए गोशालाओं की जांच कराने और वहां पर्याप्त चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लम्पी डिजीज से बचाव के लिए भी सभी आवश्यक प्रबन्ध करने को कहा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राहत और पुनर्वास के साथ चित्रकूट के लिए ऐसी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे भविष्य में अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। इसमें मंदाकिनी के प्राकृतिक प्रवाह, कैचमेन्ट एरिया, अतिक्रमण, जल निकासी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

वाई-फाई केबल में उतरा करंट, युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र के गोविंदपुरम स्थित कैलाशपुरम-2ठ्ठस्र में सोमवार शाम इंटरनेट (वाई-फाई) की शिकायत जांचने पहुंचे 34 वर्षीय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मेडिकल परीक्षण को भेज दिया है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मूल रूप से ग्राम कहरका (थाना चांदीनगर, जिला बागपत) निवासी अरविंद कुमार (34) पुत्र सुरजी सिंह इंटरनेट वाई-फाई की खराबी ठीक करने का काम करता था। मंगलवार की देर शाम वह गोविंदपुरम के कैलाशपुरम-2ठ्ठस्र स्थित गली नंबर-3 में एक शिकायत अटेंड करने पहुंचे थे। इसी दौरान काम करते समय वह अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस कर अचेत हो गया।

महिला की हत्या के आरोप में तीन सगे देवरों को आजीवन कारावास

हरदोई। तकरीबन 10 साल पहले एक हजार रुपये की उधारी को लेकर महिला की हत्या के आरोप में उनके तीन सगे देवरों को अपर जिला जज (कोर्ट संख्या-3) ने दोषी करार दिया। तीनों अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए तीनों पर 13-13 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। जुर्माने की आधी रकम मृतका के परिजन को देने के आदेश भी अपर जिला जज ने दिए। मामले की सुनवाई के दौरान मृतका के ससुर की मौत हो चुकी जबकि एक आरोपी के नाबालिग होने के कारण उसकी पत्रावली अलग की गई। कछौना कोतवाली क्षेत्र के मंडलहिया के मजरा गौहानी निवासी श्रीराम ने दो नवंबर 2016 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि दो नवंबर की सुबह उसके सगे भाई पप्पू, नीरज, छोटू उर्फ धीरज, पिता रामपाल और भतीजा उसके दरवाजे पर आए थे। आरोपियों के हाथों में लाठी, डंडे और तबल थे। पांचों ने उधार दिए एक हजार रुपये वापस मांगे थे। श्रीराम ने 10 दिन बाद रुपये देने की बात कही थी। इस पर आरोपी गाली-गलौज करने लगे थे। श्रीराम की पत्नी रेशमा शोर सुनकर बाहर आईं और विरोध करने लगी थीं। इस पर आरोपियों ने रेशमा पर हमला कर दिया था। मौके पर ही रेशमा की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर की हड्डी टूटने और मस्तिष्क में सबड्यूरल हेमेटोमा (खोपड़ी और मस्तिष्क के बीच रक्त का थक्का जमने या रक्तस्राव की एक गंभीर स्थिति) बनने से रेशमा की मौत हो गई थी। आरोपियों को पुलिस ने तीन नवंबर को गिरफ्तार किया था। मामले की सुनवाई के दौरान रामपाल की मौत हो गई थी। अभियोजन पक्ष की ओर से छह गवाहों को पेश किया गया। 16 अभिलेखीय साक्ष्य भी पेश किए गए। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने व पत्रावली पर मौजूद सबूतों के आधार पर अपर जिला जज कुसुमलता ने फैसला सुनाया। घटना की प्राथमिकी दर्ज कराने वाला मृतका का पति श्रीराम मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस को दिए गए बयानों से पलट गया। न्यायालय में गवाही के दौरान अपने भाइयों और पिता के पक्ष में श्रीराम ने गवाही दे दी। हालांकि मृतका के पुत्र मोहित ने चश्मदीद होने के नाते गवाही दी और प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों का समर्थन किया। इसके अलावा पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. अशोक प्रियदर्शी के बयान भी सजा सुनाने का आधार बने। इससे इतर एफएसएल की रिपोर्ट में मृतका के कपड़ों और घटना में इस्तेमाल हथियारों में लगे खून के धब्बे भी मेल खा गए थे। सजा दिलाने में इस रिपोर्ट की भी अहम भूमिका रही।

कोडीन सिरप का काला कारोबार, वीडियो वायरल होते ही छापा

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में कोडीनयुक्त सिरप की बिक्री का वीडियो वायरल हुआ। इसके बाद शुक्रवार को औषधि निरीक्षक व पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारा। इस दौरान बदला-नासिरगंज मार्ग स्थित मेडिकल स्टोर से 558 शीशी प्रतिबंधित सिरप व 17,040 कैप्सूल बरामद हुए हैं। टीम ने बहराइच निवासी दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एएसपी चंद्रकेश सिंह ने बताया कि बदला-नासिरगंज मार्ग स्थित बदला बैजनाथपुर गांव के एक पक्के मकान में प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर औषधि निरीक्षक श्रीकांत गुप्ता व हरदत्तनगर गिरंट थाना प्रभारी महिलानाथ उपाध्याय ने टीम के साथ मकान में छापा मारा। इस दौरान 100 मिलीलीटर की 437 शीशी कोडीन युक्त अनरेक्स सिरप व 121 शीशी चोको डीएक्स सीरप बरामद हुई। साथ ही 47 डिब्बों में 11,280 कैप्सूल प्रोक्जिहोम स्पास, नौ डिब्बों में 2,160 कैप्सूल सेमप्लक्स प्लस टैबलेट व छह डिब्बों में 3,600 टैबलेट अल्प्रासोन 0.5 बरामद हुआ। ये सभी सिरप व दवाएं प्रतिबंधित हैं। एएसपी ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपी बहराइच जिले के रहने वाले हैं। एक आरोपी की पहचान बहराइच जिले के हरदी थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत जोत चांदपारा पंडितपुरवा निवासी शिवाजी व गोसाइनपुरवा निवासी भरत कुमार के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में हरदत्तनगर गिरंट क्षेत्र की ग्राम पंचायत बदला बैजनाथपुर में रह रहे थे। दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया गया है।

गाजियाबाद के तनुश्री अपार्टमेंट में हादसा

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद स्थित कविनगर के औद्योगिक क्षेत्र स्थित अंसल तनुश्री अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से गिरकर 34 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, परिजनों का कहना है कि युवक ने आत्महत्या की है। युवक के घरेलू कलह के बाद डिप्रेशन में होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मृतक की पहचान कृष्ण कुमार वत्स पुत्र विजय कुमार वत्स के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ अंसल तनुश्री अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल में फ्लैट संख्या ए-703 में रहते थे। परिजनों के मुताबिक कृष्ण कुमार वत्स इंटीरियर डिजाइन का काम करते थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात घरेलू कलह के बाद कृष्ण कुमार काफी तनाव में थे। बुधवार देर रात करीब एक बजे उन्होंने अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से छलांग लगा दी। घायल अवस्था में परिजन उन्हें सर्वोदय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। औद्योगिक क्षेत्र चौकी पुलिस ने मौके पर जांच की, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। एसीपी के मुताबिक परिजनों ने घरेलू कलह को घटना की वजह बताया है।

बिना नंबर प्लेट वाले 8,824 वाहनों के काटे चालान

गुरुग्राम। यातायात पुलिस ने अगस्त माह में बिना नंबर प्लेट और बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। एक से 31 अगस्त तक अभियान के दौरान नंबर प्लेट संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले 8,824 वाहनों के चालान काटे गए। इन वाहन चालकों पर कुल 73.16 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस के अनुसार बिना नंबर प्लेट वाले 4,444 वाहनों के चालान काटे गए। इन वाहन चालकों पर 34.77 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले 4,380 वाहनों के चालान किए गए और 38.39 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

कॉफी को लाजवाब बनाने वाली चिकोरी, निर्यात 90 करोड़ के पार पहुंचने का अनुमान

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले में पैदा हो रही चिकोरी के तीन उत्पादों की मांग यूरोप सहित पूरी दुनिया में हो रही है। इसमें पहला इंस्टेंट चिकोरी, दूसरा चिकोरी पाउडर और तीसरा रोस्टेड चिकोरी एक्सट्रेट है। यह सभी कॉफी का स्वाद और खूशबू बढ़ा रहे हैं। इस वर्ष इनका 90 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात होने का अनुमान है। इनका निर्यात रूस, वियतनाम, ताइवान, जार्जिया, तुर्किए, मलयेशिया, अमेरिका, यूक्रेन, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया, एस्टोनिया तक हो रहा है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में जुलाई तक 33 करोड़ रुपये का माल विदेशों में भेजा जा चुका है। अभी शेष आठ महीनों में 60 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात और होने का अनुमान है, जिससे इस वित्तीय वर्ष में इसका कारोबार 90 करोड़ रुपये से आगे निकलने का अनुमान है। इससे पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 में 88 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 41 करोड़, 2023-24 में 61 करोड़ और 2025-26 में 55 करोड का चिकोरी पाउडर विदेशों में भेजा गया। कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग के वरिष्ठ विपणन अधिकारी बीपी सिंह ने बताया कि इसका निर्यात बढ़ रहा है, जिससे किसानों की आय बढ़ रही है। इसका कल्स्टर बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि किसानों को सस्ती दरों पर बीज उपलब्ध कराया जा सके और उत्पादन बढ़ाया जा सके। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि अब इसकी खेती का रकबा बढ़कर लगभग 70 हेक्टेयर तक पहुंच गया, जो पहले 10 हेक्टेयर तक सीमित था। अतरौली, छर्रा, गोंडा और गंगीरी में इसकी खेती हो रही है। चिकोरी पाउडर बनाने के लिए जिले में नौ प्लांट लगे हैं।

PUBLIC NOTICE

My clients Pankaj Singh S/o Shanker Singh and his wife Smt Munni Devi both R/o H.No. D`-28, Village Gazipur, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi 110096, has disowned/debarred their son namely Babul Kumar from all their moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with him due to his misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with them in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility.

Mohd Tahir Qidwai Advocate
Ch No. 484, Lawyer Block, Saket, New Delhi - 110017

Public Notice

My Client Sh. Maya Ram S/o Late Bhoop Singh and Guddi W/o Maya Ram Both Resident of H.No. 1402, Gali No. 53/1, Molarband Extension, South Delhi, New Delhi-110044, have disowned and debarred his sons Lovekush & Krishna and her wife Khushboo W/o Krishna from their all movable, immovable properties and I have no relation with them in future.

Arpita Gautam Advocate
Ch No. 549, Saket Court, New Delhi - 110007

Public Notice

It is for general information that, I Jasbeer Singh Nagar S/o Charan Singh Nagar R/o C-320, Plot no 320, Sector 3, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201304, declare that name of mine has been wrongly written as Jasbeer Nagar in my minor Son namely Jayant Nagar aged 17 years in his educational certificate. The actual name of mine is Jasbeer Singh Nagar. which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, REKHA is Legally Mother of NO-2824626k, RANK- Sep, Name-DALVI ANIKET GORAKH Presently residing, VILL- Sonewadi, POST-Akolner TEH- Ahilyanagar, DIST-Ahilyanagar (MAHARASHTRA) PIN-414005 Have Changed my Name from REKHA to REKHA GORAKH DALVI and Date of Birth from 01/01/1976 for all future purpose vide Affidavit dated 05/09/2026 Before Public Notary Delhi

NAME CHANGE

I,Nisha Gupta alias Nisha Garg D/o Kailash Chand W/o Ajay Gupta R/o 01/02, Gulmohar Road, Shipra Sun City, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name to Nisha Gupta.

NAME CHANGE

I PANCHFULA legally mother of Army No-2810041L, Rank -Sep Name - JENGATE ISHWARDAS GHANSHYAM, Presently Residing At - Bonde, Post - Ghonadi, Teh - Deori Dist - Gondia, State - Maharashtra, Pin - 441702 have changed my name from PANCHFULA to JASAVANTA GHANASHYAM JEGANTE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 14/08/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1978 vide affidavit dated 05/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as LAKSHMI ALIAS LAXMI D/O BASANTA W/O RAMESH KUMAR R/O 3/100, GROUND FLOOR, 100, HARIJAN BASTI QTRS., DELHI GATE, DELHI G.P.O., NORTH DELHI, DELHI-110006 have changed my name and shall hereafter be known as LAXMI.

NAME CHANGE

I, hitherto known as NAINA ALIAS ANISHKA D/O SHASHI BHAN R/O RZG-576, RAJ NAGAR PART-2, PALAM COLONY, BAGDOLA, PO: RAJ NAGAR-II, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 have changed my name and shall hereafter be known as ANISHKA.

NAME CHANGE

I, RITA DEVI , is legal mother of No. 17036498P, Rank CFN, Name PRAMOD KUMAR DUBEY, presently residing at BARIPURUPARWAR, Dist. – SANT RAVIDAS NAGAR, State – UP, Pin Code – 221309, inform That, I have changed my Name from RITA DEVI to REETA DEVI due to my civil document mismatch from my SON" service document.both name RITA DEVI to REETA DEVI pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I, Narendra Thapa S/o Dil Bahadur R/o Plot No.13, Third Floor, Front side, Khasra No.79/2, Village Hastsal, Block -E, Om Vihar phase.V, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to Narendra Bahadur Thapa permanently.

NAME CHANGE

I, Nasim Ahmed S/o Mustakeem Ahmad R/o G-147, forth floor, Gali no.16, Old Mustafabad, Delhi -110094, have changed my to Nasim Ahmed to Nasim Ahmad permanently.

NAME CHANGE

I, ANIL KUMAR S/0 Shree Ram Garg r/o C-9, BRIJ VIHAR PARWANA ROAD, PITAMPURA, DELHI 110034 HAVE CHANGE MY NAME TO ANIL GARG for all future purposes

NAME CHANGE

I Sharmila Madhukar lokhande mother of No. 17033801A, Rank - Cfn Name-Lokhande vikram Madhukar Presently R/O, Village - Naldurg Post- Naldurg, Dist-Dharashiv(OSMANABAD) Pin-413602 Maharashtra Do hereby solemnly affirm that my name has been wrongly entered as SHARMILA in my son's service records My correct name is Sharmila Madhukar Lokhande it may be entered accordingly vide Affidavit no. 43AA081692, Dated - 19/03/2026.

Public Notice

It is for general information that I, Rudra Dhaka S/o Sunil Kumar R/o Plot no. 235, Flat-C-2, Gate no.8, Shalimar Garden Extn 1, Sahibabad, PO: Sahibabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh 201005 declare that name of my Father has been wrongly written as Sunil Dhaka in my 10th and 12th class Educational Documents, The actual name of my Father is Sunil Kumar

NAME CHANGE

I Reya Oberoi D/o Prashant Kumar Oberoi R/o U-34, Second Floor, West Patel Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008 That in my school record i.e. 10th class mark sheet my father's name has been wrongly written as Prashant Oberoi instead of Prashant Kumar Oberoi which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,KAVITA W/O NISHANT R/O B-1103, GLS AVENUE 51, SECTOR 92, GURGAON -122505,HAVE CHANGED MY NAME TO KAVITA TANWAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DEEPAK S/o LEELADHAR R/o 6/121, JHARERA VILLAGE, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010, have changed my name from DEEPAK to DEEPAK KUMAR. Henceforth I would be known by the name of DEEPAK KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR S/o LEELADHAR R/o 6/121, JHARERA VILLAGE, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010, have changed my father's from LILADHAR to LEELADHAR. Henceforth he would be known by the name of LEELADHAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ZUBEIDA KHATOON W/O MOHD SHAFI R/O -202 GALI NO-23 BRAHAMPUI DELHI-110053 have changed my name to ZUBEDA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ZUBEIDA KHATOON W/O MOHD SHAFI R/O -202 GALI NO-23 BRAHAMPURI DELHI-110053 have changed my name to ZUBEDA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, B LAKSHMI mother of No-2621105F, Rank-SEP, Name- B VEERESH residing at 7-160/A, KOTTALA STREET, RAJOLI MANDAL, VPO- RAJOLI, DIST- JOGULAMBA GADWAL, TELANGANA-509126, have changed my name from B LAKSHMI to JAMBU LAKSHMI BAI for all future purposes vide Affidavit dated 05/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, G ARCHANA wife of JC-442787P, Rank-NB SUB, Name-S RAMESH residing at 2-256, RAMADAS NAGAR, KOLLAI MEDU, VILLPERIYA KAMBATHAM, PO-LATHERI, VTC-KATPADI, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632202, have changed my name from G ARCHANA to ARCHANA G for all future purposes vide Affidavit dated 05/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Asha Devi W/o Lalit Kumar R/o 1192 Sector A Pocket A Vasant Kunj New Delhi -110070 declare that my Husband's name in my passport No-J6684112 has been wrongly written as Asha Devi Lali TKumar whereas The actual name of my husband is Lalit Kumar, which be amended accordingly in my passport

NAME CHANGE

I, Iffat D/o Mohammad Haroon R/o H.No. 2754, Mohalla Niyariyan, Behind G.B. Road, Delhi-110006, have changed my name to Iffat Zain for all future purposes

NAME CHANGE

I, Sonia Devi W/O Ravinder Kumar, 355/14, Meham Road Gohana Sonipat, Haryana Pin:131301 Have Changed My Name To Sonia For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as GEETA PAL W/O SUNIL R/O 32, LUTFULAPUR NAVADA, GHAZIABAD, MANDOLA, UTTAR PRADESH-201102, have changed my name and shall hereafter be known as POONAM DEVI.

NAME CHANGE

I, Suailya Begum W/o Mohammad Haroon R/o 2754, Mohalla Niyariyan, Behind G.B. Road, Delhi-110006, have changed my name to Suhaliha Begum for all future purposes

NAME CHANGE

I ANUSAYA legally mother of Army no - JC461726M, Rank - SUB, Name - JADHAV NILESH NAMDEV, Presently Residing At - ANAWALE, Post - YAWATESHWAR, Teh - SATARA, Dist - SATARA, State - MAHARASHTRA, Pin - 415002 have changed my name from ANUSAYA to ANUSAYA NAMDEV JADHAV for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1951 vide affidavit dated 25/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I, Pamaljit Kaur W/O Trilochan Simgh R/O Flat No15c,tower-b2,ild Grand,sector-37c,gurgaon,haryana-122001 Have Changed My Name From Pamaljit Kaur to Pamaljeet Kaur for All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Vineet Sachdeva is purchasing the Entire Basement (without roof/terrace rights) and Third Floor (with roof/terrace rights) (referred to as "said portion"), part of Plot No. 541, in Block-B, having land area measuring 471 sq. yds., situated at New Friends Colony, New Delhi from M/s. Hemkunt Fasteners LLP (now Known as M/s. Hemkunt fasteners LLP) is the owner of the property vide Sale Deed dated 23.11.1994 which is registered as doc. no. 8568, book no.1, vol. no. 8494, Page no. 81 to 203, on 24.11.1994, SRO-III) and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Limited. That the Sale Deed dated 23.11.1994 executed by Mrs. Nirmal Chadha in favour of M/s. Hemkunt Fasteners (P) Limited in respect of the Plot No. 541, in Block-B, having land area measuring 471 sq. yds., as doc. no. 8568, book no.1, vol. no. 8494, Page no. 81 to 203, on 24.11.1994, SRO-III is lost/Misplaced. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Shri Jagdish, son of Shri Nathi Lal and Smt. Rani wife of Shri Jagdish both resident of House No.B-50, Gali Number 1, Murli Wala Sweets Gali, Molarband Village Badarpur, New Delhi-110044, have disowned their son Arjun and his wife Smt Geeta both R/O House Number B-50, Gali Number 1, Murli Wala Sweets Gali Molarband Village Badarpur New Delhi 110044, from all their movable and immovable properties, and have severed all relations with them in every respect. Any person dealing with them shall do so at his/her own risk, cost, and consequences, and my clients shall not be responsible for the same in any manner whatsoever.

S. Mohit Advocate
CHAMBER NO. 283
LAWERYS CHAMBER COMPLEX,
PATIALA HOUSE COURTS,
NEW DELHI-110001
MOBILE NO.-
9311412727,9811412727

NAME CHANGE

I DANDADE legally mother of Army no - 2817382Y, Rank - L/NK, Name - DANDADE PRASHANT DATTARAO, Presently Residing At - MANGUL ZANAK, Post- MANGUL ZANAK, Teh - RISOD Dist - WASHIM, State-MAHARASHTRA, Pin - 444504 have changed my name from DANDADE to MALTA DATTARAO DANDADE for all future purposes, Vide affidavit dated 05/09/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, HARTHYIK KAPOOR S/o pradeep Kapoor R/o 5A 48 nit Faridabad Haryana have change my name to HARTHVIK KAPOOR for all future purposes

NAME CHANGE

I,Ramveer Singh S/O Bheem Singh R/O Astauli, PO: Astauly DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203202, have changed my name and shall hereafter be known as Ranvir

NAME CHANGE

It is for general information that I, KYAMUDDIN ANSARI S/o ISLAMUDDIN ANSARI, R/o House No.135/A Choudhery Meer Singh Marg Lado Sarai Mehrauli, PO Mehrauli Distt. South Delhi, Delhi-110030, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as KAYAMUDDIN ANSARI and ASMA KHATOON in my minor son namely DILSHER ANSARI, aged 16 years in his 10th class Education Documents. The actual name of mine and my wife are KYAMUDDIN ANSARI and RUBI KHATOON respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Pamaljit Kaur W/O Trilochan Simgh R/O Flat No15c,tower-b2,ild Grand,sector-37c, gurgaon, haryana-122001 Have Changed My Name From Pamaljit Kaur to Pamaljeet Kaur for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I ANUSAYA legally mother of Army no - JC461726M, Rank - SUB, Name - JADHAV NILESH NAMDEV, Presently Residing At - ANAWALE, Post - YAWATESHWAR, Teh - SATARA, Dist - SATARA, State - MAHARASHTRA, Pin - 415002 have changed my name from ANUSAYA to ANUSAYA NAMDEV JADHAV for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1951 vide affidavit dated 25/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I, Imran S/O Ahmad Hasan R/O House No-23, Pakki Saray, Dasna Gate, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed the name of my minor daughter Ayesha aged 10 years and she shall hereafter be known as Reeda Ayesha

NAME CHANGE

I, hitherto known as Mohan Kumar S/O Ramfal, R/O 133, Mohalla Ajamtara, BB Nagar, Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203402, have changed my name and shall hereafter be known as Praveen Kumar.

NAME CHANGE

I,SABA W/O SYED ABID ALI R/O 2189,KUCHA AQIL KHAN NEAR ISLAMIC MODRAN SCHOOL SITARAM BAZAR Delhi - 110006. I have changed MY NAME SABA ALI permanently

NAME CHANGE

I MANGAL legally mother of Army No - 2821635A, Rank - SEP, Name - WAGH PRASHANT SANJAY, Presently Residing At - JOPUL, POST- JOPUL, Teh - CHANDVAD, Dist - NASHIK, State - MAHARASTRA, Pin - 423101 have changed my name from MANGAL to WAGH MANGAL SANJAY for all future purposes, Vide affidavit dated 10/08/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Khairun Nisa W/O Md Abbas, House No-76/77, Block H Colony, Bawana, North West Delhi Pin:110039 Have Changed My Name To Khairun Nisha For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, Lalit Jadon, S/O Chandraban Singh, R/O 58, Kala janki gold, M R 4 road, Ujjain, Madhya Pradesh - 456010 have changed my name to Lalit Singh Jadon for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री मचला देवी, जो खेवट संख्या 621/631, मु. संख्या 56, किला संख्या मु, संख्या 75, किला संख्या 1 (8•0) और अन्य में से 133 वर्ग गज के भूखंड के स्वामी हैं, जो ग्राम सोल्धा, तहसील और जिला पलवल, हरियाणा में स्थित है, पलवल, 121004, मंदिर के निकट... (दस्तावेज के अनुसार संपार्श्विक का विवरण, जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है)। स्वामी ने विक्रय विलेख और नीचे उल्लिखित अन्य स्वामित्व विलेखों के आधार पर उक्त संपत्ति खरीदी है- दिनांक 30.06.2016 को श्री रोहताश पुत्र लेख राज द्वारा श्री चरण सिंह पुत्र लखमी सिंह के पक्ष में निष्पादित मूल विक्रय विलेख। दिनांक 24.04.2025 को श्री चरण सिंह पुत्र लखमी चंद द्वारा श्री मचला देवी पत्नी बच्छू सिंह के पक्ष में निष्पादित मूल विक्रय विलेख। स्वामित्व दस्तावेजों में मूल विलेख गायब है। गायब विलेख दिनांक 30.06.2016 का मूल विक्रय विलेख है, जो श्री रोहताश पुत्र लेख राज द्वारा श्री चरण सिंह पुत्र लखमी सिंह के पक्ष में निष्पादित किया गया था। इस गायब विलेख के संबंध में हरियाणा पुलिस नागरिक सेवा में आवेदन संख्या 13260010260064६ के तहत दिनांक 25.08.2026 को शिकायत दर्ज कराई गई थी और इसकी प्राप्ति स्वीकार कर ली गई है। श्री मचला देवी उक्त संपत्ति के सच्चे और वैध स्वामी हैं। स्वामी उक्त संपत्ति के बदले एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (सेक्टर 15, गुड़गांव शाखा) से ऋण सुविधा ले रहे हैं और ऋणदाता इस सुविधा को सुरक्षित करने के लिए उक्त संपत्ति पर अपना प्रभार बनाएगा। यदि उक्त संपत्ति में दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा किसी भी प्रकार का कोई अधिकार, दावा, हक या हित रखने वाला कोई व्यक्ति/संस्था/वित्तदाता/बैंक, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे को, उसके समर्थन में दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

दीपक मलिक (अधिवक्ता)
प्लॉट नंबर 604, दुकान-2,
कटारिया कॉम्प्लेक्स
दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

NAME CHANGE

I MOHD SUKEN REHMAN S/0 WAHIDUR RAHMAN R/O 721,PUNJABI BASTI, MILITARY ROAD,KS BUILDER ANAND PARBAT, PO:KAROL BAGH, DIST:CENTRAL Delhi 110005 Changed my name to MD SUKEN REHMAN

NAME CHANGE

I ANASUA W/0 ANUP KUMAR ROY R/0 RZ 190 FIRST FLOOR SHIV BLOCK RAGHU NAGAR PANKHA ROAD DELHI 110045 CHANGED MY NAME TO ANASUA ROY

NAME CHANGE

I hitherto known as chaitaney kumar Diwedi s/o Omprakash Diwedi residing at flat no 402 plot no 27 green hotel unione residency behrampur Ghaziabad, Ghaziabad uttar pradesh 201001, have changed my Name and shall hereafter be known as CHAITANEY Diwedi .

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मनोज गिरि पुत्र प्रेम गिरि, निवासी 409, शाहपुर बम्हैटा, गाजियाबाद, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय फ्लैट संख्या 03, प्रथम तल, फ्रंट मिडल पोर्शन, बिना छत अधिकार, क्षेत्रफल क्षेत्रफ़ल 45.55 वर्ग गज, प्लॉट संख्या 1, खसरा संख्या 51-के, स्थित तिरुपति एनक्लेव, ग्राम छपरौला, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 04.04.2025, क्रमांक 18199, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 30984, पेज 81-104, सब रजिस्ट्रार-दादरी, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 21.08.2018, क्रमांक 16470, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 12305, पेज संख्या 1-32, सब रजिस्ट्रार दादरी, कही खो गया, जिसके बावत खोने की ऑनलाइन रिपोर्ट दिनांक 04.09.2026, एल आर नं0 20260000898295, पुलिस इकाई पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, लखनऊ, में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुव्किल उक्त संपत्ति को श्री रोहन तिवारी व श्री राहुल कुमार पुत्रगण श्री शेष कुमार तिवारी को बेच रहे हैं, जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा निठारी , सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में रह रहे पूर्वोत्तर के युवाओं को प्रदेश सरकार दे रही पूर्ण सहयोग : सैनी

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट फेस्टिवल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की शिरकत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स फेस्टिवल के नौवें संस्करण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत जैसे शहरों में पूर्वोत्तर के भारी संख्या में युवा रोजगार कर रहे हैं और हरियाणा सरकार उन्हें पूर्ण रूप से सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक रंग है, अनेक भाषाएं, अनेक परंपराएं हैं लेकिन सभी की भावनाएं एक हैं। यही भारत की विविधता की खूबसूरती है। उन्होंने इस आयोजन को लेकर मॉय होम इंडिया की टीम की भी सराहना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी देश व प्रदेशवासियों को शिक्षक दिवस की बधाई भी दी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा तथा फेस्टिवल के आयोजक सुनील देवधर भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार गुरुग्राम और

फरीदाबाद जैसे शहरों में रह रहे नॉर्थ ईस्ट के लोगों की बखूबी सुरक्षा और सहयोग कर रही है। उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं आ रही। इसको लेकर उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद भी किया। इसके उपरांत संबोधित करते हुए हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज इस मंच पर अरुणाचल प्रदेश के उगते सूरज की चमक, असम की ब्रह्मपुत्र जैसी विशालता, मणिपुर की खेल प्रतिभा, मेघालय की प्रकृति का संगीत, मिजोरम का अनुशासन, नागालैंड का सांस्कृतिक जीवन, सिक्किम की शांति और त्रिपुरा की गर्मजोशी भरी परंपराओं की सुगंध एक साथ बिखर रही है।

उन्होंने कहा कि यहां आठ राज्य नहीं, बल्कि एक भारत दिखाई देता है, जिसमें अनेक रंग, भाषाएं और परंपराएं हैं परन्तु सबकी भावना एक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को 'अष्टलक्ष्मी' कहे जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूर्वोत्तर की शक्ति और संभावनाओं के प्रति नए भारत के विश्वास का प्रतीक है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक समय पूर्वोत्तर को दूरी के नजरिए से देखा जाता था, लेकिन आज तस्वीर बदल चुकी है। पूर्वोत्तर अब भारत की सीमा पर खड़ा क्षेत्र नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा की अग्रिम पंक्ति में है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन संस्कृति को सशक्त करते हैं, क्योंकि संस्कृति केवल वेशभूषा या नृत्य का नाम नहीं बल्कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचने वाली कहानी है। फेस्टिवल की थीम 'द लिविंग हेरिटेज : ट्रेडिशन दैट बिल्ड विकसित भारत' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विरासत का अर्थ अतीत को रोक कर रखना नहीं, बल्कि उसे लेकर आगे बढ़ना है।

जीवन सफल होता है परमात्मा की भक्ति से-कल्याण

एजेंसी

करनाल। श्री कल्याण आज घरौंडा क्षेत्र के गांव कोहंड की सैनी धर्मशाला में आयोजित श्रीमद्भागवत पुराण कथा के मौके पर ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। सर्वप्रथम उन्होंने लोगों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई व शुभकामनाएं दीं। श्री कल्याण ने कहा कि इस प्रकार की कथा का मन लगा श्रवण करना चाहिए। परमात्मा की भक्ति से जीवन सफल होता है। भक्ति, सतसंग अथवा कथा सुनने से अथवा घर में पूजा-पाठ करने से जीवन में अच्छाई और बुराई का पता चलता है। कथाओं के माध्यम से ठीक और गलत का ज्ञान मिलता है। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से वहीं संस्कार बच्चों में जाते हैं। बच्चे सही रास्ते पर चलते हैं तो जीवन में कठिनाई नहीं आती। सही रास्ते पर चलने वालों के जीवन में दिक्कत आ सकती है पर वे आगे जरूर बढेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि बच्चों को अच्छे संस्कार व अच्छी शिक्षा दिलाएं। परमात्म और महापुरूषों के दिखाए रास्ते पर उन्हें आगे बढ़ाना है। ऐसा करने से जीवन सफल होगा। कार्यक्रम के दौराना कनिष्का भारती ने श्रीमद्भागवत पुराण पर सारगर्भित कथा सुनाई। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंची। इस अवसर पर श्री कल्याण को स्मृति चिह्न भी दिया गया।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों ने सीखे रोजगार योग्यता के कौशल

करनाल। राजकीय महाविद्यालय घरौंडा में प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) सुरेंद्र कुमार नागिया के निर्देशन में हुआ । उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट विश्वजीत सिंह ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय से संबंधित विद्यार्थियों को उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में अवगत कराया। उद्यमिता स्थापित करने में कानूनी सलाहकार एडवोकेट विशाल तुरान ने बच्चों को नए दौर में रोजगार पाने के कौशल सिखाएं , उधमिता से संबंधित सूचना का अधिकार एवं उपभोक्ता संरक्षण कानून के बारे में मार्गदर्शन किया। उद्यमिता में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की महत्वता और आज के वातावरण कैरियर निर्माण में उपस्थित चुनौतियों के बारे में अवगत कराया । प्राचार्य डॉ सुरेंद्र नागिया ने शिक्षक दिवस पर बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया और रोजगार पाने के लिए नए गुण सीखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आयोजक और प्लेसमेंट सेल के प्रभारी शुभम शर्मा ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप प्रोग्राम पोर्टल के बारे में बच्चों को ज्ञानवर्धन किया और विद्यार्थियों को स्वयं को पोर्टल पर रजिस्टर करने के लिए प्रेरित किया ।

पात्र युवा फार्म 6 भरते हुए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं : डीसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करवाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने पात्र नागरिकों से अपील की कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि नाम सूची में दर्ज नहीं है अथवा नाम, पता या अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित प्रपत्र भरकर जमा करवाएं। डीसी ने स्पष्ट किया कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप निर्धारित नियमों और पारदर्शी व्यवस्था के तहत संचालित की जा रही है। केवल पुराने मतदाता रिकॉर्ड अथवा संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने मात्र से किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जा सकता। पात्र मतदाता का नाम हटाने की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया और उचित जांच के बाद ही की जा सकती है। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर नाम दर्ज करवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

भीम स्टेडियम में एनसीसी कैडेट्स ने जानी अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया

भिवानी। स्थानीय भीम स्टेडियम में दो सितंबर से भिवानी, चरखी दादरी, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिलों के युवाओं की अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। भर्ती प्रक्रिया के दौरान सेना अधिकारियों ने जिला से एनसीसी कैडेट्स को बुलाया और उनको अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के विभिन्न चरणों से अवगत कराया। इस दौरान सेना अधिकारियों ने एनसीसी कैडेट्स को अग्रिवीर की महता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कर्नल बीआर शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि भर्ती रैली के दौरान अभ्यर्थियों का फिजिकल टेस्ट किस प्रकार लिया जाता है तथा शारीरिक दक्षता का भर्ती प्रक्रिया में विशेष महत्व है। एनसीसी कैडेट्स को भर्ती के विभिन्न चरणों, शारीरिक परीक्षण और अनुशासन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सेवा संकल्प अभियान को जन अभियान बनाने के दिए निर्देश

गुरुग्राम में सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में जुटेगा प्रशासन : डीसी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जनसेवा एवं सुशासन की यात्रा के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में चलाए जाने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर गुरुग्राम सहित प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। उन्होंने अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ जन अभियान बनाने और सेवा गतिविधियों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। डीसी उत्तम सिंह ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को गुरुग्राम जिला में अभियान के दृष्टिगत तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। वीसी के उपरांत डीसी उत्तम सिंह ने जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर गुरुग्राम में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिला में एक माह तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के

- **17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, 14 मॉड्यूल के जरिए होंगी सेवा, जागरूकता व जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां**
- **डीसी उत्तम सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की**

तहत 14 अलग-अलग मॉड्यूल के माध्यम से सेवा, जागरूकता, जनभागीदारी और विकास से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाएं। डीसी ने बताया कि अभियान के दौरान 'आशीर्वाद का दीया', 'सपनों का भारत' सहित विकसित भारत 2047 थीम पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, जन एवं सेवा संकल्प यात्रा, सेवा मेरा योगदान तथा सेवा सेतु अभियान जैसी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को सेवा भाव से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि 'रंगोली राष्ट्र', भारत मंडला, राष्ट्रीय नवाचार चुनौती, गुरुग्राम सहित देश के पांच शहरों में आयोजित होने वाले जनसेवक महाकुंभ तथा विदेशों में महायज्ञ में सहभागिता जैसे कार्यक्रम भी अभियान का हिस्सा होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को रचनात्मक एवं सेवा कार्यों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' का मूल उद्देश्य आमजन को सेवा गतिविधियों से जोड़ना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान में विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों और आम नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान आयोजित प्रत्येक गतिविधि का समुचित फोटो एवं वीडियो दस्तावेजीकरण भी किया जाए, ताकि जिला गुरुग्राम में किए जा रहे सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जा सके।

भारी बारिश के अलर्ट को लेकर डीसी ने जारी किए एहतियाती निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा आज सुबह जारी की गई ताजा नाउकास्ट चेतावनी के मद्देनजर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डीसी उत्तम सिंह ने आमजन की सुरक्षा को लेकर आवश्यक एहतियाती निर्देश जारी किए हैं। आईएमडी ने अगले 2-3 घंटों के दौरान 15 एमएम प्रति घंटे से अधिक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है।

डीसी ने नागरिकों से अपील की है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए गैर-जरूरी यात्रा से यथासंभव बचें और अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। विशेष रूप से जलभराव वाली सड़कों, अंडरपास तथा निचले इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। लोगों को पानी से भरे रास्तों अथवा जलभराव वाले हिस्सों को पैदल या वाहन से पार न करने के निर्देश दिए गए हैं, क्योंकि पानी की गहराई और सड़क की स्थिति का सही अनुमान लगाना मुश्किल हो सकता है।उन्होंने नागरिकों से पेड़ों, बिजली के खंभों और ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों से दूरी बनाए रखने की भी अपील की है। तेज हवाओं और बारिश के दौरान इनके आसपास खड़े होने से दुर्घटना का खतरा हो सकता है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी होने वाले आगामी अलर्ट और दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को पूरी तरह सतर्क रहने तथा आवश्यक एहतियाती एवं बचाव संबंधी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को मिल रही नई पहचानः उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा

एजेंसी

करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि शिल्पकार व कारीगर समाज के नवनिर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग देते हैं। शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को सम्मान देते हुए केंद्र सरकार की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना चलाई जा रही है, जिससे उनके हुनर को पहचान मिल रही है। उपायुक्त ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की पारंपरिक कला और शिल्पकला को जीवित रखने और देश के कारीगरों और शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक है। पीएम विश्वकर्मा योजना का मुख्य लक्ष्य कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों की पहुंच को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ावा देना और उनकी गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत हों। यह योजना पूरे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करती है। पात्र आवेदक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर मोबाइल सत्यापन और आधार ई-केवाईसी के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीकरण करके पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि योजना के तहत 18 विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया गया है, जिनमें नाव बनाना, शस्त्राकार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुडिया व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछ्ली पकडने् के लिए जाल बनाने का काम आदि शामिल है। उन्होंने योजना के पात्र सभी कारीगरों को आह्वान किया कि वे तुरंत इस योजना को लेकर अपना रजिस्ट्रेशन करें और लाभ उठाएं। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि पीएम-विश्वकर्मा योजना के तहत श्रमिक की बेटी के लिए जो कॉलेज पढ़ती है, उसको इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 50 हजार रुपए तथा श्रमिक को साइकिल खरीदने के लिए पांच हजार रुपए दिए जाते हैं।

सफाई कर्मियों एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को सौंपा ज्ञापन

आश्वस्त किया कि उनकी मांगों एवं समस्याओं को उचित समाधान के लिए उच्च स्तर पर संबंधित अधिकारियों एवं सरकार के समक्ष रखा जाएगा।

एजेंसी

करनाल। सफाई कर्मियों एवं अग्निशमन विभाग के सैकड़ों कर्मचारियों ने कल्याण फार्म पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से मुलाकात कर अपनी विभिन्न तरह की मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों को विस्तार से विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष रखा। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कर्मचारियों की सभी मांगों को गंभीरता एवं सहानुभूतिपूर्वक सुना और उनकी समस्याओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों एवं समस्याओं को उचित समाधान के लिए उच्च स्तर पर संबंधित अधिकारियों एवं सरकार के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करवाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी जनसेवा से

जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हैं तथा उनके हितों से जुड़े विषयों पर सरकार पूरी गंभीरता से विचार करती है। उन्होंने कर्मचारियों से भी अपील की कि वे अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते रहें। इस दौरान कर्मचारियों ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुनने और समाधान के लिए सकारात्मक आश्वासन देने पर विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों का जमीनी स्तर पर दिखे प्रभाव : उपायुक्त सतबीर सिंह

अभियान की सभी गतिविधियों में प्रभावी समन्वय, समयबद्ध क्रियान्वयन और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिला में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने तथा इसकी प्रत्येक गतिविधि का जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त आज लघु सचिवालय स्थित सभागार में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के उपायुक्तों को अभियान के संबंध में दिए गए दिशा-निर्देशों के उपरांत संबंधित अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान की प्रभावी क्रियान्विति एवं सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये। मुख्यमंत्री ने अभियान की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा

की तथा संबंधित अधिकारियों से अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, उनकी रूपरेखा तथा प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को अभियान से जुड़े कार्यक्रमों की बेहतर योजना बनाने तथा सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, जनकल्याण और सामाजिक सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाना है। बैठक में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री के.एम. पांडुरंग तथा विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रदेश में प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों, उनकी तैयारियों तथा प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तैयार की गई कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सतबीर सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जो 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह की अवधि में आयोजित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ावा देना, पात्र नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना तथा सरकारी सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता तभी मानी जाएगी।

शिक्षक समाज का मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार :- डॉ. तरन्नुम खान

एजेंसी

रोहतक। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) के सभागार में विशेष शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह के दौरान जिला रोहतक के पांचों ब्लॉकों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पांच शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में डॉ. कविता नरवाल (करौंथा), राकेश कुमार (कलानौर), सुधीर कुमार (निंदाना), रमेश चिटकारा (नया बांस) तथा श्री श्याम कुमार (चिड़ी) शामिल रहे। सभी शिक्षकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने सम्मानित किया गया। डॉ. तरन्नुम खान ने कहा कि शिक्षक

केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह उनके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य का निर्माण करने वाला सच्चा मार्गदर्शक होता है। एक अच्छे शिक्षक का प्रभाव विद्यार्थी के जीवन पर लंबे समय तक रहता है और यही विद्यार्थी आगे चलकर समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज में कानूनी जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, बाल अधिकारों, नशे के दुष्प्रभावों, साइबर अपराधों तथा उपलब्ध विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। शिक्षकों के माध्यम से इन विषयों की जानकारी विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती है।

सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने मीडिएशन फॉर नेशन 3.0 अभियान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लोगों को आपसी विवादों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से सौहार्दपूर्ण एवं शीघ्रता से करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता विवादों के समाधान का एक प्रभावी एवं शांतिपूर्ण माध्यम है, जिससे दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में भी जानकारी साझा की तथा आमजन से अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की।

रिफॉर्म उत्सव से बदलेगी प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जनभागीदारी पर रहेगा जोर : उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

एजेंसी

पलवल। सुशासन एवं नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 'रिफॉर्म उत्सव अभियान' चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत पलवल जिला प्रशासन की ओर से आमजन को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाए और नागरिकों को अपने सुझाव एवं समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखने के लिए प्रेरित किया जाए। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि रिफॉर्म उत्सव केवल सरकारी विभागों का अभियान नहीं, बल्कि आमजन की भागीदारी से प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार लाने का प्रयास है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसभाओं, रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और अन्य जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को अभियान के उद्देश्य और इसमें भाग लेने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाए। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य नीति-निर्माण को जमीनी स्तर से जोड़ना और आमजन के सुझावों के आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था में और अधिक सुधार करना है। इसके लिए विशेष पोर्टल शुरू किया जाएगा, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें एवं सुझाव दर्ज करा सकेंगे। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि रिफॉर्म उत्सव अभियान चार चरणों में चलेगा। पहले चरण 'जन मंथन' के तहत 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पोर्टल के माध्यम से सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे।

केला निर्यात बढ़ाने को एफडीआई में ढील, बागान क्षेत्र में उदार होंगे नियम?

-वाणिज्य मंत्रालय वाणिज्यिक फसलों को एफडीआई के दायरे में लाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली ।

सरकार देश के बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसका मुख्य लक्ष्य केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाकर उनके निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, चाय, कॉफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागानों में स्वत~ मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि अन्य बागान गतिविधियों को इससे बाहर रखा गया है। सरकार अब इस दायरे का विस्तार कर केले जैसी फसलों को शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक है, जहां सालाना तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन होता है, लेकिन वैश्विक निर्यात बाजार में इसकी हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 30 फीसदी अधिक था। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक अरब डॉलर तक पहुंचाना है। एफडीआई से प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में निवेश बढ़कर निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, वहीं ईरान, इराक, यूएई जैसे मौजूदा बाजारों के अलावा अमेरिका, रूस और जापान में भी निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं।

निवेशकों के लिए डिविडेंड का बंपर मौका!

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार निवेशकों के लिए अगले सप्ताह कमाई का एक बड़ा अवसर लेकर आ रहा है। 7 सितंबर से 11 सितंबर के बीच लगभग 149 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी, जिससे शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) प्राप्त करने का सुनहरा मौका मिलेगा। इस दौरान छोटी से लेकर दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश का तोहफा देंगी। खास बात यह है कि कुछ चुनिंदा कंपनियां निवेशकों को सामान्य के साथ-साथ स्पेशल डिविडेंड भी प्रदान करेंगी, जिससे उनकी कमाई में और इजाफा हो सकता है। इस सूची में फोर्स मोटर्स, अपार इंडस्ट्रीज, टीवीएस श्रीचक्र, एम्पायर इंडस्ट्रीज, एलएसडीएल, इरेडा, वारी एनर्जीज, कल्याण ज्वैलर्स और ज़ी एंटरटेनमेंट जैसी चर्चित कंपनियां शामिल हैं। 11 सितंबर को सर्वाधिक कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। निवेशकों के लिए यह अवधि अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने का अहम समय हो सकती है।

लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर इलेक्ट्रिक भारतीय बाजार में पेश

नई दिल्ली ।

आखिरकार भारतीय बाजार में जगुआर लैंड रोवर ने अपनी प्रतिष्ठित लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर का पहला बैटरी-इलेक्ट्रिक संस्करण रेंज रोवर इलेक्ट्रिक पेश कर दिया है। वैश्विक अनावरण के साथ ही, भारतीय ग्राहकों के लिए इसकी आधिकारिक बुकिंग भी शुरू कर दी गई है, जो इस इलेक्ट्रिक युग में ब्रांड के प्रवेश का प्रतीक है। यह कंपनी के 56 साल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह ब्रांड का पहला ज़ीरो टेलपाइप एमिशन वाला मॉडल है, जो रेंज रोवर की विशिष्ट लक्जरी, दमदार परफॉर्मेंस और असाधारण ऑफ-रोड क्षमताओं को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ सिमलेस्ली जोड़ता है। इस नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के दिल में एक विशाल 118.5 किलोवाट घंटा की बैटरी और एक एडवांस 800-वोल्ट आर्किटेक्चर है, जो एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर तक की प्रभावशाली क्लेम्ड रेंज देने में सक्षम है। इसे दो शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर्स के माध्यम से कुल 542 हॉर्सपावर और 850 न्यूटन-मीटर का जबरदस्त टॉर्क मिलता है, जिससे यह सिर्फ 4.5 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। चार्जिंग के मोर्चे पर भी यह बेहद सक्षम है; 350 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ, यह केवल 22 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। डिज़ाइन के मामले में, यह अपनी पेट्रोल-डीजल सिबलिंग से काफी मिलता-जुलता है, जबकि इसका इंटीरियर उच्च गुणवत्ता वाले मटेरियल, बड़ी डिस्प्ले और अत्याधुनिक फीचर्स से सुसज्जित है, जो इसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एक शक्तिशाली दावेदार बनाता है। यह प्रीमियम एसयूवी यूके के सोलिहुल प्लांट में निर्मित होकर पूरी तरह से आयात (सीबीयू) की जाएगी।

वैश्विक हलचल, कच्चा तेल और अमेरिकी महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

विशेषज्ञों ने विदेशी निवेश और वैश्विक संकेतों पर भी नजर रखने की सलाह दी।

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और अमेरिका के आगामी मुद्रास्फीति आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि इन वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और अन्य वैश्विक संकेतों पर भी बाजार की गहरी नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक आंकड़े भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होंगे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को

लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। बाजार` विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़े फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये आंकड़े अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों को भी प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल और बाजार में नकदी की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 277.95 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे आया था, जो मौजूदा वैश्विक दबावों को दर्शाता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से इन प्रमुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगी।

सिंपल एनर्जी ने किया अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता सिंपल एनर्जी ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कंपनी की सिंपल वन सीरीज से अलग है और इसे विशेष रूप से भारतीय परिवारों की आवागमन की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जहाँ यूटिलिटी, रेंज और स्टोरेज पर विशेष जोर दिया गया है। बेंगलुरु में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,09,999 रखी गई है, जो इसे दैनिक पारिवारिक उपयोग के लिए एक आकर्षक और व्यावहारिक विकल्प बनाती है। सिंपल वेव चार अलग-अलग बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें इसका टॉप वेरिएंट 243 किलोमीटर तक की प्रभावशाली आईडीसी (इंडियन ड्राइविंग साइकिल) रेंज का दावा करता है। हालांकि, ग्राहकों को अपनी नई वेव के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि इसकी डिलीवरी 25 सितंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इस स्कूटर की सबसे बड़ी खासियत इसकी विशाल स्टोरेज क्षमता है, जो कुल 70 लीटर तक है। इसमें 63 लीटर का अंडर-सीट स्पेस, 3 लीटर का ग्लव बॉक्स और एक अनोखा 4 लीटर का पिल स्टोरेज शामिल है, जो इसे इस सेगमेंट में अग्रणी बनाता है।

सुरक्षा के मोर्चे पर, इसकी बैटरी और मोटर दोनों को आईपी67 रेटिंग मिली है, जो धूल और पानी से प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। वेव एस वेरिएंट में 2.2 किलोवाट घंटा (110 किमी रेंज) और 2.7 किलोवाट घंटा (132 किमी रेंज) बैटरी विकल्प मिलते हैं, जबकि टॉप वेव+ वेरिएंट में 5 किलोवाट घंटा बैटरी के साथ 243 किमी की आईडीसी रेंज मिलती है। पीएमएसएम (परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर) मोटर बेस वेरिएंट में 4.5 किलोवाट और अन्य वेरिएंट में 6.4 किलोवाट पावर जनरेट करती है, जिससे इसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटा तक पहुँच जाती है।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में निकाले 10,289 करोड़ रुपये

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 10,289 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाई गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। तीन महीने लगातार पूंजी लगाने के बाद एफपीआई बाजार में बिकवाल दिखे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।सितंबर में अबतक एफपीआई ने इक्विटी में 7,443 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है यानी कम हुआ है जबकि म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं।हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई सितंबर में अब तक 2,522 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। डेट से उन्होंने 390 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं म्यूचुअल फंड में एफपीआई ने 67 करोड़ रुपये लगाये हैं। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने अब तक 1,57,639 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,31,886 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस दौरान डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनके निवेश में कमी आयी है।

खाद्य तेलों का मिलाजुला रुख, कहीं उछाल तो कहीं गिरावट

आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली से सोयाबीन तेल टूटा, औद्योगिक मांग ने पाम-पामोलीन को सहारा दिया

नई दिल्ली ।बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के दबाव में सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट आई, वहीं औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में तेजी दर्ज की गई। घरेलू मंडियों में सोयाबीन तिलहन की कम आवक के चलते इसमें मामूली सुधार हुआ, जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जो दैनिक मांग (2.5-3 लाख बोरी) से काफी कम है। इसके बावजूद, आयातक बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चालू रखने के लिए लागत (125 रुपये/किलो) से लगभग 5 फीसदी नीचे, 118.50 रुपये/किलो पर सोयाबीन तेल बेच रहे हैं। यह उनकी गंभीर आर्थिक स्थिति दर्शाता है, जिसके चलते सोयाबीन तेल में गिरावट आई। ऊंची कीमतों पर कमजोर मांग से बिनौला तेल भी सस्ता हुआ। दूसरी ओर, बढ़ती औद्योगिक मांग और अन्य खाद्य तेलों से सस्ता होने के कारण पाम-पामोलीन में मजबूती देखी गई। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में स्थिरता बनी रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 16,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमश~ 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश~ 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमश~ 6,700-6,750 रुपये और 6,550-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इंडस्ट्रीज का डबल धमाका~ 60 रुपए लाभांश का प्रस्ताव

नई दिल्ली

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 60 रुपये लाभांश की घोषणा की; चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट में 77.8 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के कपावर ट्रांसमिशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी अपार इंडस्ट्रीज ने अपने शेयरधारकों को दोहरी खुशी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 60 रुपये (फेस वैल्यू का 600त्न) लाभांश देने का प्रस्ताव किया है, जिस पर 21 सितंबर 2026 को होने वाली 37वीं सालाना आम बैठक (त्नरू) में मंजूरी ली जाएगी। इसके साथ ही, अपार इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। खबर~ अपार इंडस्ट्रीज ने लाभांश के लिए 14 सितंबर 2026 को रिकॉर्ड डेट तय की है। इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज शेयरधारकों को एजीएम की मंजूरी के बाद लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

गोवा उज्ज्वला योजना 2026 के तहत पात्र परिवारों को सालाना मिलेंगे 3000 रुपए

बिना आय सीमा के एलपीजी/पीएनजी उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

गोवा ।

गोवा सरकार ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आधिकारिक तौर पर गोवा उज्ज्वला योजना 2026 को हरी झंडी दे दी है, जिसके तहत राज्य के पात्र परिवारों को सालाना तीन घरेलू एलपीजी सिलेंडरों या पीएनजी के खर्च के बराबर 3000 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी। इस योजना के तहत भुगतान 9 सितंबर से शुरू हो जाएगा। यह योजना मुख्यमंत्री द्वारा 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादे का हिस्सा है, जिसमें लोगों को सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का भरोसा दिलाया गया था। सरकार सिलेंडर सीधे वितरित करने के बजाय, यह राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेगी। सीएम ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने वाले निवासियों को उनके खातों में राशि मिलनी शुरू हो जाएगी। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए कोई आय सीमा नहीं रखी गई है, जिससे सामान्य और ओपन कैटेगरी के परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह योजना सिर्फ एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों के लिए नहीं, बल्कि घरेलू पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन का उपयोग करने वाले परिवारों को भी लाभ देगी। सरकारी कर्मचारियों को भी इस स्कीम से बाहर नहीं रखा गया है। आवेदन करने के लिए लाभार्थी अपने नजदीकी ग्राम पंचायत कार्यालय, नगर पालिका दफ्तर या स्थानीय विधायक कार्यालय से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं और गैस कनेक्शन की कॉपी, आधार, बैंक पासबुक तथा वोटर आईडी के साथ जमा कर सकते हैं। प्रति परिवार केवल एक ही गैस कनेक्शन पर योजना का लाभ मिलेगा।

जनधन योजना में चुनौती~ करोड़ों खाते निष्क्रिय, लाखों में नहीं है कोई राशि

आरटीआई से खुलासा; देश में 15 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय

जयपुर ।

प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वित्तीय समावेशन के प्रयासों को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एक आरटीआई (सूचना का अधिकार) के जवाब से खुलासा हुआ है कि देश में करीब हर चौथा जनधन खाता निष्क्रिय है, जबकि करोड़ों खातों में कोई राशि जमा नहीं है।

ये आंकड़े योजना की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर इसके उपयोग पर सवाल खड़े करते हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ को दी गई जानकारी के अनुसार, 12 अगस्त तक देशभर में पीएमजेडीवाई के कुल 59.03 करोड़ से अधिक खाते थे, जिनमें 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा थी। हालांकि, चिंताजनक बात यह है कि इन खातों में से 15.36 करोड़ खाते निष्क्रिय पाए गए। इसके अलावा, 5.72 करोड़ से अधिक खातों में कोई राशि जमा नहीं थी, यानी वे शून्य-बैलेंस वाले खाते हैं।

अगस्त, 2014 में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को बैंक खाते तक पहुंच प्रदान करना है।

टाटा मोटर्स का इटली के इवेको ग्रुप के लिए 34,000 करोड़ का अधिग्रहण ऑफर

3.82 अरब की डील से ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने इटली की मशहूर कमर्शियल व्हीकल कंपनी इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए एक ऑल-कैश वॉलंटरी टेंडर ऑफर पेश किया है। यह महत्वाकांक्षी अधिग्रहण लगभग 3.82 अरब यूरो (लगभग 34,000 करोड़ रुपये) का है, जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल दिग्गज का वैश्विक दबदबा काफी बढ़ जाएगा। टाटा मोटर्स अपनी नीदरलैंड्स स्थित कंपनी टीएमएल सीवी होल्डिंग बीवी के माध्यम से इवेको ग्रुप के सभी शेयर खरीदने के लिए यह प्रस्ताव लेकर आई है। कंपनी ने इवेको के एक शेयर की कीमत 14.10 यूरो तय की है। इस सौदे को इटली के मार्केट रेगुलेटर कॉन्सॉब से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जो इसकी राह आसान करता है। टाटा मोटर्स और इवेको ग्रुप के संयुक्त बयान के अनुसार, यह टेंडर ऑफर 7 सितंबर से 26 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इवेको ग्रुप के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस सौदे को अपनी पूरी मंजूरी देते हुए शेयरधारकों से ऑफर स्वीकार करने की सिफारिश की है। इवेको की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी एक्सोर, जिसके पास 27.06 फीसदी कॉमन शेयर और 43.19 फीसदी वोटिंग अधिकार हैं, उसने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करने का वादा किया है। इस विलय के बाद वैश्विक कमर्शियल व्हीकल मार्केट में एक नया और मजबूत मंच तैयार होगा। अनुमान है कि संयुक्त इकाई की सालाना बिक्री 5,90,000 यूनिट्स से अधिक और कुल राजस्व लगभग 21 अरब यूरो (लगभग 2.28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) होगा। खास बात यह है कि दोनों कंपनियों के कारोबार और भौगोलिक मौजूदगी में कोई टकराव नहीं है, जिससे एसवायएनइआरजीवाय का पूरा लाभ मिलेगा। नई इकाई के राजस्व का वितरण काफी संतुलित होगा, जिसमें यूरोप से लगभग 46 फीसदी, भारत से करीब 32 फीसदी, दक्षिण अमेरिका से 8 फीसदी और बाकी दुनिया के बाजारों से लगभग 14 फीसदी राजस्व आने की उम्मीद है। यह एकीकरण दोनों कंपनियों को लागत और अनुसंधान खर्चों को बड़े पैमाने पर साझा करने, परिचालन क्षमता में सुधार करने और कमर्शियल व्हीकल सेक्टर के उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करेगा। सौदे को पूरा करने के लिए कम से कम 95 फीसदी कॉमन शेयरों की मंजूरी आवश्यक है, हालांकि कुछ शर्तों के तहत यह 80 फीसदी तक घट सकती है।

घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर, आम जनता को मिली राहत

19 किलो वाले सिलेंडर में मामूली वृद्धि से होटल-रेस्टोरेंट का बजट बिगड़ा

-मुंबई।

भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता और परिवारों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी तेल मार्केटिंग ने घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, कमर्शियल इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के बड़े गैस सिलेंडरों की कीमतों में 1 सितंबर को 9.50 से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिसका असर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग बिजनेस पर पड़ रहा है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद, सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने आम उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रखे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल जाने और आयात लागत बढ़ने के कारण ही वाणिज्यिक गैस के दाम बढ़ाए गए हैं। वर्तमान में, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और मुंबई में 941.50 रुपये पर उपलब्ध है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 2,747.50 रुपये है। इस बीच पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीएसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच घरेलू एनपीजी की खपत 15.9 फीसदी 11.3 मिलियन टन रह गई है।

देश में तेजी से फैल रहा पीएनजी नेटवर्क, 940 से 1000 रुपये के बीच का मौजूदा उच्च बेस प्राइस और सब्सिडी खत्म होने या कम होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधन की ओर वापसी, इस गिरावट के मुख्य कारण हैं। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में आखिरी बदलाव जून 2026 में हुआ था।

सितंबर में आईपीओ का महासंग्राम, बाजार में 7,055 करोड़ की हलचल

7 से 15 सितंबर के बीच खुलेंगे 11 कंपनियों के निर्गम

नई दिल्ली ।

भारतीय प्राथमिक बाजार में एक बार फिर जोरदार हलचल मचने वाली है। आगामी 7 से 15 सितंबर के बीच 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरेंगी, जिनका लक्ष्य कुल 7,055 करोड़ रुपये जुटाना है। यह आईपीओ की भीड़ निवेशकों के लिए नए अवसर लेकर आएगी और बाजार में उत्साह का संचार करेगी। येस सिक्योरिटीज के अनुसार, एक साथ इतने आईपीओ आना इस बात का संकेत है कि निवेशक शुरुआती चरण की वृद्धि वाली कंपनियों में हिस्सेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। इन निर्गमों में रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, भुगतान समाधान, विशेष रसायन और ऑनलाइन किराये जैसे विविध क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। कुल जुटाई जाने वाली राशि में से 39 फीसदी (2,722 करोड़) नए शेयर जारी कर सीधे कंपनियों के खाते में जाएगी। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वहीं, 61 फीसदी (4,333 करोड़) मौजूदा निवेशकों द्वारा बिक्री पेशकश के माध्यम से जुटाई जाएगी। इस अवधि में आने वाले प्रमुख आईपीओ में रेंटोमोजो (1,256 करोड़ रुपए), कनोहर इलेक्ट्रिकल्स (1,056 करोड़) और करमतारा इंजीनियरिंग (875 करोड़) शामिल हैं। रेंटोमोजो का आईपीओ इस सप्ताह का सबसे बड़ा निर्गम होगा। इसके अलावा प्रणव कंस्ट्रक्शंस, प्रसोल केमिकल्स, मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस और वीगालैंड डेवलपर्स सहित कई अन्य कंपनियां भी अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

ललित गर्ग

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है।

शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।'

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

संपादकीय

क्या मंशा है ट्रंप की?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर ह्यट्रंप स्ट्रेटह्व कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है। यह आर्थिक नुकसान, अंततः, भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है। यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढे और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों-पैट्रियट और थाड-की कमी 50-65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

सुनील कुमार महला

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में, यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना गलत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है। शरीर को ऊर्जा देने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बच्चों के विकास तथा कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए पर्याप्त और संतुलित पोषण आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है कुपोषणः-

बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर चिंता का विषय है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(एनएफएचएस-5) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन से, 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन/वेस्टिंग से और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरवेट) की समस्या से प्रभावित हैं। इनमें 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर वेस्टिंग से प्रभावित हैं। यूनिसेफ के 2025 के भारत संबंधी पोषण विवरण में भी लगभग 36 प्रतिशत बच्चों में बौनापन और 19 प्रतिशत में वेस्टिंग यानी कि लंबाई के अनुपात में वजन कम का उल्लेख किया गया है। यूनिसेफ के ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कुपोषण केवल बच्चों के शारीरिक विकास को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है।

बच्चों के समुचित विकास में चुनौती है कुपोषणः-

वास्तव में हमारे देश में पोषण और संतुलित आहार की कमी आज भी बच्चों के समुचित विकास में बड़ी चुनौती है। यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर बच्चों को पोषण और संतुलित आहार की कमी के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? तो इस प्रश्न का सीधा सा उत्तर यह है कि गरीबी, भोजन में विविधता की कमी, पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव और असंतुलित खान-पान के कारण अनेक बच्चे आवश्यक प्रोटीन, विटामिन, खनिज और कैलोरी पर्याप्त मात्रा में नहीं ले पाते और इसका असर बच्चों की शारीरिक वृद्धि, मानसिक विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। कुपोषण के कारण बच्चों में वेस्टिंग (कम वजन), स्टंटिंग (कम लंबाई) और कम वजन जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए बच्चों के लिए पौष्टिक, विविधतापूर्ण और संतुलित आहार सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

हम सभी ने छोटी कक्षाओं में अध्ययन करते हुए यह पढ़ा है कि संतुलित आहार में क्रमशः अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मेवे, बीज और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल होना चाहिए। वास्तव में, हमारे भोजन में विविधता जितनी अधिक होगी, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। इसके साथ ही अत्यधिक जंक फूड, नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों के सेवन को सीमित करना भी जरूरी है। पाठक जानते हैं कि समय के साथ, पश्चिमी सभ्यता संस्कृति, समय का अभाव, गलत खानपान की आदतों,शहरी संस्कृति के कारण आज हमारे देश में जंक फूड, अधिक नमक, चीनी और तले-भुने खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। वास्तव में सच तो यह है आज स्वाद और सुविधा के कारण बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह इन खाद्य पदार्थों को अधिक पसंद करने लगे हैं। इनका अत्यधिक सेवन मोटापा, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है, इसलिए संतुलित आहार में फल, सब्जियां, दालें, अनाज, दूध और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वाद के साथ स्वास्थ्य का संतुलन ही स्वस्थ जीवन की सच्ची कुंजी है।

बदलती जीवनशैली के बीच बढ़ रहे स्वास्थ्य जोखिमः-

हाल फिलहाल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह केवल एक जागरूकता अभियान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह कुपोषण के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेने का अवसर है। परिवार, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान और समाज मिलकर पोषण संबंधी सही जानकारी को जन-जन तक पहुंचा सकते हैं। बच्चों में शुरू से ही पौष्टिक भोजन की आदत विकसित करना उनके बेहतर भविष्य की नींव तैयार करता है। जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि आज जब बदलती जीवनशैली के कारण मोटापा, मधुमेह और अन्य जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब पोषण का महत्व और भी बढ़ जाता है। सही भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और स्वच्छता-ये सभी स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

तो आइए, इस राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाएंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। क्योंकि सही पोषण ही स्वस्थ जीवन की पहचान है और जब हमारे देश के सभी नागरिक स्वस्थ होंगे तो हमारा देश भी निरंतर तरक्की और प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

मासूम बचपन पर मंडराता अपहरण का खतरा

कांतिलाल मांडोत

बच्चों की सुरक्षा के लिए अब कानून से लेकर पुलिस व्यवस्था तक में बड़े बदलाव की जरूरत...

बच्चा जब घर के आंगन में खेलता है तो माता पिता को लगता है कि दुनिया की सारी खुशियां उनके सामने हैं। उसकी हंसी घर को जीवंत बना देती है और उसकी छोटी छोटी जरूरतें परिवार के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती हैं। लेकिन यही बच्चा अचानक घर से गायब हो जाए तो उस परिवार की दुनिया जैसे थम जाती है। उसके लौटने की उम्मीद हर पल बनी रहती है और हर गुजरते घंटे के साथ चिंता गहरी होती जाती है। बच्चों के अपहरण की घटनाएं इसलिए केवल अपराध के आंकड़े नहीं हैं बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों की ऐसी पीड़ा छिपी होती है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

देश में बच्चों के बढ़ते अपहरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक बेहद गंभीर विषय को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल केवल यह नहीं है कि कितने बच्चे लापता होते हैं बल्कि बड़ा सवाल यह है कि उनके गायब होने के बाद व्यवस्था कितनी तेजी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें खोजने का प्रयास करती है। यदि किसी बच्चे के लापता होने की सूचना मिलने के बाद शुरूआती समय में ही प्रभावी कार्रवाई हो जाए तो उसके सुरक्षित मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसके विपरीत जांच में देरी अपराधियों को अपनी गतिविधियों को छिपाने का अवसर दे सकती है।

बच्चों के अपहरण का स्वरूप भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई मामलों में यह केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क की भूमिका सामने आती है। बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले गिरोह राज्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता।

मानव तस्करी इस समस्या का सबसे भयावह पहलू है। मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर करके अलग अलग प्रकार के शोषण में धकेला जाना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। कुछ बच्चे मजदूरी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं तो कुछ को भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसे गिरोह बच्चों की मजबूरी को अपने अवैध कारोबार का साधन बना लेते हैं। बच्चों के हाथों में किताब और खिलौने होने चाहिए लेकिन अपराधी उन्हें अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे बड़ा सामाजिक अन्याय और क्या हो सकता है।

बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी इसी समस्या की एक कड़ी हैं। सड़क पर किसी बच्चे को भीख मांगते देखकर अक्सर लोग कुछ पैसे देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि उस बच्चे की स्थिति के पीछे कोई संगठित शोषण तो नहीं है। हर बच्चा अपनी इच्छा से सड़क पर नहीं आता। कई बच्चे परिस्थितियों और अपराधी नेटवर्क के कारण ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर होते हैं। इसलिए बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई को केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं बल्कि संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

बच्चों के अपहरण के मामलों में पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलने के बाद तत्काल प्राथमिकी दर्ज होना और जांच शुरू होना जरूरी है। बच्चे की तस्वीर और पहचान संबंधी जानकारी जल्द से जल्द संबंधित पुलिस इकाइयों तक पहुंचनी चाहिए। रेलवे स्टेशन बस अड्डों और अन्य परिवहन केंद्रों पर भी सूचना पहुंचाने में देरी नहीं होनी चाहिए। आधुनिक तकनीक ने पुलिस के सामने कई नए साधन उपलब्ध कराए हैं। कैमरों की निगरानी से लेकर डिजिटल रिकॉर्ड और दूसरे तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल बच्चों की तलाश में किया जा सकता है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ प्रशिक्षित और संवेदनशील पुलिसकर्मी भी मौजूद हों।

ऐसे मामलों में जांच अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सामान्य अपराधों से अलग है। बच्चे की बरामदगी के साथ यह पता लगाना भी जरूरी है कि उसे किसने उठाया और किस उद्देश्य से ले जाया गया। यदि केवल बच्चे को बरामद करके मामला समाप्त मान लिया गया तो उसके पीछे सक्रिय पूरा नेटवर्क बच सकता है। अपराध की जड़ तक पहुंचना जरूरी है ताकि उसी गिरोह के दूसरे बच्चे भी सुरक्षित किए जा सकें।

लंबी कानूनी प्रक्रिया भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। बच्चों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवार पहले ही मानसिक और सामाजिक पीड़ा से गुजरता है। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो न्याय की प्रतीक्षा स्वयं एक नई पीड़ा बन जाती है। इसलिए बाल अपहरण और मानव तस्करी के गंभीर मामलों की सुनवाई के लिए विशेष व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। तेज सुनवाई का अर्थ जल्दबाजी में न्याय करना नहीं बल्कि ऐसे मामलों को अनावश्यक देरी से बचाना होना चाहिए।

कठोर कानून की मांग के साथ यह भी जरूरी है कि कानून का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। अपराधियों को सजा का भय तभी होगा जब जांच मजबूत हो और मुकदमे का परिणाम समय पर सामने आए। केवल कानून में कठोर प्रावधान जोड़ देने से समस्या खत्म नहीं होगी। पुलिस की जवाबदेही बढ़ानी होगी। जांच की गुणवत्ता सुधारनी होगी और अलग अलग राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा।

मानव तस्करी के मामलों में जिन राज्यों का नाम अधिक सामने आता है वहां विशेष निगरानी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों और ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां से बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाना आसान होता है। बस परिवहन और रेलवे नेटवर्क के जरिए बच्चों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

परिवारों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को सुरक्षा के सामान्य नियमों के बारे में समझाना चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ जाना या उसके बहकावे में आना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। हालांकि पूरी जिम्मेदारी परिवारों पर डालना उचित नहीं होगा। सार्वजनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चे सुरक्षित माहौल में रह सकें और किसी घटना के बाद राज्य की मशीनरी तुरंत सक्रिय हो।

संक्षिप्त समाचार

सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट, 10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल; आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा धमाका

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश बोलिविया में शुक्रवार को एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी। स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि 62 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी और मृतकों की संख्या 15 तक पहुंच सकती है। घायल लोगों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें एक बच्ची भी शामिल थी, जो तीसरी डिग्री तक जल गई। पुलिस के अनुसार, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और विस्फोट की वजह से आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंचा। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गईं।

अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करेंगे यूरोपीय देश: पांच देशों में होगा समझौता; क्या विदेश में बनेंगे वापसी केंद्र

कोपेनहेगन, एजेंसी। यूरोप में अवैध प्रवासियों और बिना कानूनी अनुमति के रह रहे लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज हो गई है। डेनमार्क की मेजबानी में हुई बैठक में जर्मनी, ऑस्ट्रिया, ग्रीस, डेनमार्क और नीदरलैंड के समूहों ने बड़ा कदम उठाया है। इन पांच देशों ने यूरोपीय संघ से बाहर के किसी देश में रिटर्न हब (प्रवासी वापसी केंद्र) बनाने को लेकर ठोस सहमति जताई है। जर्मनी के गृह मंत्री एलेक्जेंडर डोब्रिंट ने कोपेनहेगन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन देशों का लक्ष्य इसी साल ऐसे तीसरे देशों के साथ समझौते को अंतिम रूप देना है। हालांकि, अभी उन देशों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है जहां ये केंद्र बनाए जाएंगे। यूरोपीय संसद ने जून में नई प्रवासन नीति को मंजूरी दी थी। इस योजना को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। काउंसिल ऑफ यूरोप ने इन केंद्रों को मानवाधिकारों के लिए जोखिम भरा बताया है। वहीं, डेनिश रिफ्यूजी काउंसिल की महासचिव शार्लोट स्लेंटे का कहना है कि इससे प्रवासियों के खतरनाक रास्ते नहीं रुकेंगे। डेनमार्क के आव्रजन और एकीकरण मंत्री मोर्टेन बोद्रस्कोव ने उम्मीद जताई है कि साल 2027 के अंत तक प्रवासियों को भेजने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस पूरी योजना पर चर्चा के लिए यह समूह सितंबर के अंत में जर्मनी के म्यूनिख में फिर बैठक करेगा।

रूस-यूक्रेन जंग में बढ़ी हलचल: कीव के बाद मॉस्को भी जाएंगे अमेरिकी दूत; क्या निकलेगा शांति का रास्ता

कीव, एजेंसी। अमेरिका के अधिकारी स्टीव विटकॉफ और जरेड कुशनर इस सप्ताहांत मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे कीव जाएंगे। उनका दौरा अगले सप्ताह की शुरुआत तक चल सकता है। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह अधिकारी सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं था। इसलिए उसने नाम न बताने की शर्त पर बात की। अधिकारी ने दोनों जगहों पर जाने के सही समय की जानकारी नहीं दी। यह दोनों अमेरिकी अधिकारियों की कीव की पहली यात्रा होगी। अमेरिका युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब तक इन कोशिशों से शांति का रास्ता नहीं निकल पाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह विटकॉफ और कुशनर के रविवार को कीव पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले दोनों अधिकारी मॉस्को जाएंगे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि बातचीत के दौरान यूक्रेन हवाई हमले नहीं करेगा। उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे बातचीत सुरक्षित तरीके से हो सकेगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिकी पक्ष की पिछली राजनयिक यात्राओं की तरह हम यह सुनिश्चित करेंगे कि रूसी हवाई क्षेत्र सामान्य रूप से काम करता रहे, ताकि बातचीत के लिए आने वाले अधिकारी सुरक्षित पहुंच सकें। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों के मॉस्को दौरे की खबरों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

जलविद्युत परियोजना के कर्मी सुरंग में 9 दिन कैसे रहे जिंदा, नेपाल में बचाव अभियान में क्या बदलाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हिमालय की ऊंची पहाड़ियों से आए एक सैलाब का असर बीते नौ दिन से लगातार यहां रहने वालों के लिए एक बुरा सपना बना हुआ है। दरअसल, नेपाल में सबसे ज्यादा तबाही सैलाब को साथ लाने वाली भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के आसपास के क्षेत्रों और इन नदियों पर बनी ऊर्जा परियोजनाओं को झेलनी पड़ी। इन्हीं क्षेत्रों में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई और अधिकतम लापता हुए। खासकर छह हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाले करीब 900 लोगों की खोजबीन अब तक जारी है। इस बीच शुक्रवार सुबह एक अच्छी खबर आई। राहत-बचाव कार्य में लगी टीमों ने त्रिशूली नदी पर चल रही एक परियोजना में काम कर रहे दो लोगों को नौ दिन बाद मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सामने आया है कि जिन दो लोगों को त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड केंद्र के ऊपर जमे मलबे से बाहर निकाला गया है, वे दोनों ही नेपाली नागरिक हैं। इन्हें उपचार के लिए काठमांडू ले जाया गया है। दोनों ने ही बताया कि जब बाढ़ का प्रकोप जलविद्युत परियोजना पर पड़ा, तब उनके साथ कई और लोग मलबे में दब गए। हालांकि, बाकी लोगों की खोज अभी जारी है। बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित हुई हाइड्रोपावर परियोजनाओं में काम कर रहे दो लोगों के नौ दिन बाद सही-सलामत निकलने के बाद यह जानना अहम है कि आखिर यह दो लोग इस भीषण बाढ़ की चपेट में आने के बावजूद नौ दिन तक जिंदा कैसे रहे जलविद्युत परियोजनाओं में काम कर रहे लोगों को निकालने के लिए राहत-बचाव कर्मी किस तरह अभियान चला रहे हैं।

फिलहाल यह साफ नहीं है कि जिस त्रिशूली 3ए प्रोजेक्ट में राहत-बचाव कार्य के दौरान दो लोग निकाले गए, वहां और कितने लोग फंसे हो सकते हैं या कितने जिंदा होंगे। हालांकि, जो दो लोग बचे हैं, उनके खुद के बयानों और रेस्क्यू टीम की कोशिशों से चार अहम तथ्य निकलकर सामने आए। सबसे पहले जो बात सामने आई, वह यह कि सुरंग के मलबे में दबे एक व्यक्ति संजय साह बाढ़ के खतरे के बीच 40-45 लोगों को बचाने में सफल हुए थे और इसी दौरान सुरंग में फंस गए।

गोल्डीलॉक्स जोन में फंसकर बची जिंदगी : दोनों कर्मचारी टनल के भीतर एक सुरक्षित हिस्से में फंसे थे, जिसे भूवैज्ञानिकों ने गोल्डीलॉक्स जोन यानी इंसानों के जीवित बचने के 'सबसे अनुकूल' जगह कहा है। यह मुख्य रूप से सुरंग का वह इलाका था, जहां से अंदर और बाहर ले जाने वाली केबल मौजूद थीं। यह केबल भूमिगत पावरहाउस से ट्रांसमिशन ग्रिड तक जाती हैं। इस मजबूत ढांचे की वजह से वे टनल में आई बाढ़, मिट्टी और मलबे के सीधे बहाव की चपेट में आने से बच गए।

टनल का मुख्य द्वार पूरी तरह से मलबे से बंद हो जाने के बावजूद बचाव कर्मियों ने सुरंग के अंदर बनी संभावित खाली जगहों में पाइपों के जरिए ऑक्सीजन भेजने का प्रयास किया था, ताकि वहां हवा की कमी न हो। मैकेनिकल फोरमैन संजय साह के मुताबिक, सुरंग के अंदर घने अंधकार में नौ दिनों तक पूरी दुनिया से कटे रहने के दौरान उन्होंने हौसला नहीं टूटने दिया। वे लगातार मंत्रों का जाप और प्रार्थना करते रहे, जिससे उन्हें मानसिक रूप से जीवित रहने का हौसला मिला।

कठिन भूख-प्यास का सामना किया : सुरंग के अंदर दोनों के पास ही भोजन या पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। बचाव के बाद जब कबीर महर्जन को सैन्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, तो उन्होंने गंभीर स्थिति में होश में आने पर सबसे पहले बताया कि उन्हें बहुत तेज प्यास लगी है। वे बेहद कठिन परिस्थितियों में केवल अपनी शारीरिक सहनशक्ति के बल पर शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का मुकाबला करते हुए जीवित बचे रहे। बाढ़ के मलबे से बंद केबल टनल में रास्ता बनाने के बाद, बचाव कर्मियों ने टनल की छत के ऊपरी हिस्से में एक छोटा सा छेद बनाया, ताकि उसके जरिए रेंगकर अंदर जाया जा सके। इस रास्ते से जब बचाव कर्मियों ने टनल के भीतर फंसे लोगों को आवाज दी, तो उन्हें अंदर से नेपाली भाषा में किसी के जवाब देने की बहुत ही धीमी और हल्की आवाज सुनाई दी। इसी आवाज के जरिए बचाव दल को उनके जीवित होने का पहला सुराग मिला।

ईरान संघर्ष को ट्रंप ने बताया छोटी बात, पिकैक्स माउंटेन पर हमले का भी जिक्र; होर्मुज में हालात कैसे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ छह महीने से अधिक समय से चल रहे टकराव को युद्ध मानने से इनकार किया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, ईरान और अमेरिका के बीच 'अंतराल वाला सैन्य संघर्ष' हो रहा है जो वाशिंगटन के लिए 'छोटी बात' है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर जल्द हमला कर सकता है। ईरान के अत्यधिक किलेबंद और भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर हमले का बयान ऐसे समय में आया है जब बीते कुछ दिनों में दोनों देशों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों को जमकर निशाना बनाया है। ऐसे में दोनों देशों का टकराव बढ़ने का खतरा है।

क्या बहुत जल्द हमला कर सकता है अमेरिका : ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका को पिकैक्स माउंटेन पर कोई गतिविधि मिलती है, तो उसे निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी खुफिया तंत्र इस स्थल पर गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

कहां है ईरान का परमाणु भंडार : पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इसे दो गहरी दबी सुरंग प्रणालियों वाला अत्यधिक किलेबंद भूमिगत परिसर बताया जाता है। कुछ दिन पहले आई वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल ने ईरान से जुड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। इस्राइल की खुफिया जानकारी के अनुसार, हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरी दबी सुविधा में स्थानांतरित कर दिए हैं। इस भूमिगत निर्माण के कारण पारंपरिक हवाई बमबारी का असर नहीं होता है। पिकैक्स माउंटेन काफी अधिक प्रतिरोधी है।

ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप के कारण पश्चिम एशिया में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, यदि अमेरिका कार्रवाई नहीं करता तो इस्राइल और इसके आसपास अन्य देशों को अधिक गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता।

सैन्य कार्रवाई को ईरान के ठिकानों पर अंजाम देने वाली एजेंसी- अमेरिकी सेंट्रल कमान ने बताया था कि सेना ने पिछले सप्ताह ईरानी सैन्य ठिकानों के पर हमले का एक लहर चरण पूरा किया है। इन अभियानों में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने जिन जगहों पर बमबारी की, उनमें ईरान का वायु रक्षा प्रतिष्ठान, रडार प्रणालियां, समुद्री संपत्तियां, बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताएं और संचार स्थल जैसे केंद्र शामिल हैं। सेंटकॉम के मुताबिक IRGC द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के जवाब में अमेरिकी सेना ने हमले किए।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री को क्यों याद आई पीएम मोदी की चेतावनी: बोले- भारत ने चेताया था; चीन पर साधा निशाना

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुरानी चेतावनी का जिक्र करते हुए यूरोप की व्यापारिक निर्भरता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोप को अब समझ आ रहा है कि आर्थिक निर्भरता को दबाव बनाने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। चीन का नाम लिए बिना डी वेवर ने उस देश पर परोक्ष निशाना साधा, जिसने यूरोपीय बाजारों और उद्योगों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने भारत को यूरोप का सबसे अहम रणनीतिक साझेदार बताते हुए दोनों के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि व्यापारिक निर्भरता के जोखिमों को लेकर अब यूरोप की 'आंखें अचानक खुली हैं'। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत ने यूरोपीय देशों को इस खतरे के बारे में काफी पहले चेतावनी दी थी, लेकिन उस समय यूरोप ने भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया। भारत और यूरोप के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं पर बात करते हुए डी वेवर ने कहा कि दोनों पक्षों के सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। खासकर आर्थिक निर्भरता अब सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए भी किया जा रहा है। हमारे सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। हमारा सामना ऐसे ही पावर ब्लॉक्स (शक्ति समूहों) से हो रहा है, जो एक खास दिशा में बढ़ रहे हैं। एक ऐसी दिशा जो शायद हमें पसंद नहीं है और हमें अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने के लिए मजबूर किया जाना भी पसंद नहीं है। हमें यह पसंद नहीं है कि निर्भरता का इस्तेमाल हमारे खिलाफ हथियार के तौर पर किया जाए। डी वेवर ने इसके बाद यूरोप को दी गई भारत की पुरानी चेतावनियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत पहले ही यूरोप को इस तरह की आर्थिक निर्भरता के खतरे के बारे में आगाह किया था, लेकिन तब उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। आपने यह इतिहास देखा है। आपके प्रधानमंत्री ने बहुत पहले ही यूरोप को इस बारे में चेतावनी दी थी।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात: पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी; जेडीएएम किट-बमों से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिक्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

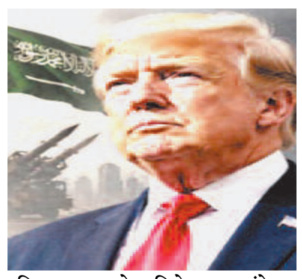

प्रस्तावित हथियार सौदे में क्या-क्या शामिल है : अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएमयू-572 जेडीएएम गाइडेंस किट और 5,000 केएमयू-556 जेडीएएम गाइडेंस किट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएलयू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएलयू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं। डील में फ्यूज सिस्टम, टारगेट डिटेक्टर, कटेनर, स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है : अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिक्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदा और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब को अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी। क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिक्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है। क्या इस हथियार सौदे का पश्चिम एशिया के तनाव से भी संबंध है यह संभावित हथियार सौदा ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष, सऊदी अरब को निशाना बनाकर हुए हमलों और यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। ऐसे माहौल में सऊदी अरब अपनी जमीन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई तथा मिसाइल खतरों से बचाने की क्षमता मजबूत करना चाहता है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हालिया सहयोग केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव; क्या बोले

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था।

प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरीलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डटकर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना

है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्ते यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी। वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है। विश्लेषकों का कहना है, शांति की पहल की बुदानोव की मंशा उनके व्यक्तित्व के दो अलग पहलुओं को सामने लाती है। वह एक ऐसे सैनिक के तौर पर अपनी पहचान बनाए रखना चाहते हैं जिसने रूस के खिलाफ जमकर जंग लड़ी। पूर्वी यूक्रेन में 2014 में लंबे समय से सुलगते रहे युद्ध के दौरान बुदानोव ने दुश्मन की सीमा के पीछे जाकर कमांडो छापों का नेतृत्व किया था, जिसमें एक छापे में रूसी जनरल के बेटे की मौत हो गई थी। 2022 में रूसी हमले के बाद उन्होंने यूक्रेन के कुछ सबसे दुस्साहसिक जवाबी हमलों की रूपरेखा तैयार करने में मदद की। अब वह खून-खराबा खत्म करने की पहल में भी सबसे आगे हैं।

450 साल पुराना दुनिया का नक्शा कितना बदला, कैसे अफ्रीकी देश के चलते भारत को मिल सकता है न्याय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पारंपरिक दुनिया के नक्शे (मर्केटर) को बदलने के लिए लाए गए करेक्ट द मैप प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया है। 16वीं सदी का मर्केटर नक्शा उत्तरी गोलार्ध के देशों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के देशों को छोटा दिखाता है। यह प्रस्ताव अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और अन्य भूमध्यरेखीय क्षेत्रों का वास्तविक और बड़ा आकार सामने आएगा। वहीं, यूरोप, रूस और कनाडा जैसे इलाके मौजूदा मर्केटर नक्शे की तुलना में नए नक्शे में छोटे दिखाई देंगे। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे, जबकि अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया और छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। नया नक्शा अफ्रीका को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। नए नक्शे को टोगो ने पेश किया जबकि अफ्रीकी संघ के सदस्यों ने पुरजोर समर्थन किया। मानचित्र सुधार प्रस्ताव फ्रांस और ब्रिटेन सहित 164 देशों के समर्थन से पारित हो गया। अमेरिका इकलौता देश रहा, जिसने इसके खिलाफ मतदान किया और छह देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। 16वीं शताब्दी से उपयोग हो रहे मर्केटर मानचित्र की आलोचना की जाती रही है क्योंकि यह अफ्रीका को ग्रीनलैंड के समान आकार का दिखाता है, जबकि वास्तव में यह उससे 14 गुना बड़ा है।

अब वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी : इस प्रस्ताव पर मतदान कि अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब आने वाले दिनों में दुनियाभर में दिखाए-पढ़ाए जाने वाले वैश्विक नक्शों में बदलाव करना जरूरी हो जाएगा और उसकी जगह नए नक्शे ले लेंगे। इतना ही नहीं मौजूदा नक्शे में दिखने वाले महाद्वीप के साथ भारत और कई देशों की स्थिति में बड़ा बदलाव हो जाएगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक नक्शे पर बदलाव कराने का दम रखने वाले इस प्रस्ताव की जरूरत क्यों पड़ी अब प्रस्ताव मंजूर हो चुका है तो क्या-क्या बदल सकता है आइये जानते हैं...

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर दर्शाए जाने वाले मानचित्र को बदलने और सदियों पुराने 'मर्केटर प्रोजेक्शन' मैप की जगह समान-क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्रों को वैश्विक मानक बनाने से जुड़ा था। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश टोगो की ओर से प्रायोजित किया गया, जिसे 55-सदस्यीय अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला। दरअसल, इस वक्त दुनिया में विश्व का जो मानचित्र दिखाया जाता है, वह 400 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे गेरहार्डस मर्केटर की ओर से दुनियाभर में व्यापार के लिए जाने वाले नाविकों की मदद के लिए बनाया गया था। यह पारंपरिक मानचित्र ध्रुवों के पास के देशों को उनके वास्तविक आकार से बहुत बड़ा और भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास के क्षेत्रों को बहुत छोटा दिखाता है। उदाहरण के लिए, मौजूदा नक्शे पर अफ्रीका और ग्रीनलैंड एक ही आकार के दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविकता में अफ्रीका एक महाद्वीप है, जो कि ग्रीनलैंड से 14 गुना बड़ा है। ऐसा ही कई और अन्य देशों के भी साथ की स्थिति है। अफ्रीका अपने असल आकार के मुकाबले छोटा दिखाए जाने को लेकर ही नाराजगी जाहिर करता रहा है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर छाया संकट: पहली बार आईएईए ने माना नियमों का पालन नहीं हुआ, क्या लगेगा प्रतिबंध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय दबाव अब और बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सामने ऐसा प्रस्ताव रखने की तैयारी की है, जिसमें ईरान को परमाणु अप्रसार की अपनी कानूनी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने की बात है। यह मामला इसलिए बेहद गंभीर है क्योंकि जून 2025 में आईएईए बोर्ड ने करीब 20 साल बाद पहली बार ईरान को अपनी परमाणु अप्रसार संबंधी जिम्मेदारियों का पालन न करने वाला पाया था।

मसौदे में ईरान के खिलाफ क्या कहा गया : प्रस्ताव अभी बातचीत के दौर में है और आईएईए बोर्ड को औपचारिक रूप से नहीं सौंपा गया है। इसमें आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से प्रस्ताव और पहले पारित प्रस्तावों को आईएईए के सभी सदस्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा तक पहुंचाने को कहा गया है। प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा चुनौतियों का कूटनीतिक समाधान निकालने का समर्थन भी किया गया है। सभी पक्षों से बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की गई है। प्रस्ताव में बदलाव भी संभव है। औपचारिक रूप से पेश होने के बाद इस पर अगले सप्ताह वियना में आईएईए बोर्ड की बैठक में मतदान होगा।

ईरान की सबसे बड़ी परेशानी क्या : परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान पर अपने सभी परमाणु पदार्थ और गतिविधियों की जानकारी देने तथा आईएईए के निरीक्षकों को यह जांचने देने की कानूनी जिम्मेदारी है कि परमाणु सामग्री का इस्तेमाल शांतिपूर्ण कामों के अलावा कहीं नहीं हो रहा। जून 2025 में अमेरिका और इस्राइल के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद से ईरान ने प्रभावित परमाणु स्थलों पर आईएईए निरीक्षकों को प्रवेश नहीं दिया है। एजेंसी छह महीने से अधिक समय से हथियार बनाने की क्षमता के करीब पहुंच

चुके यूरेनियम के भंडार की स्थिति भी सत्यापित नहीं कर पाई है। आईएईए ने हाल में चेतावनी दी कि निरीक्षकों को प्रवेश न देना और परमाणु सामग्री की पुष्टि न हो पाना प्रसार का जोखिम पैदा करता है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

ईरान के पास कितना यूरेनियम और खतरा कितना बड़ा : आईएईए के अनुसार ईरान के पास 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है, जिसे 60 फीसदी तक शुद्धता पर समृद्ध किया गया है। हथियार बनाने के लिए आम तौर पर करीब 90 फीसदी शुद्धता वाला यूरेनियम चाहिए होता है। यानी ईरान का मौजूदा भंडार तकनीकी रूप से उस स्तर से बहुत दूर नहीं है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने पिछले साल कहा था कि यह मात्रा ईरान को सैद्धांतिक रूप से 10 परमाणु बम बनाने में सक्षम कर सकती है, अगर वह अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाने का फैसला करे। उन्होंने साफ किया था कि इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान के पास परमाणु हथियार मौजूद है।

यूरेनियम के पुराने निशानों की जांच क्यों अहम : आईएईए की वर्षों से चल रही जांच में ईरान के कुछ ऐसे स्थानों पर यूरेनियम के निशान मिले हैं, जिनके बारे में पहले जानकारी नहीं दी गई थी। एजेंसी की हालिया गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार इन निशानों की जांच में भी कोई प्रगति नहीं हुई है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों को शक है कि ये निशान इस बात के संकेत हो सकते हैं कि ईरान ने 2003 तक गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम चलाया था। ईरान इन आरोपों को खारिज करता है और लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक भेजने का मतलब मामले को आईएईए से आगे संयुक्त राष्ट्र की सबसे शक्तिशाली संस्था के सामने ले जाना होगा। सुरक्षा परिषद के पास आगे कानूनी रूप से बाध्यकारी कदम उठाने की क्षमता है, जिनमें प्रतिबंध और संपत्ति फ्रीज करने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस मामले में कड़ी संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई की संभावना सीमित मानी जा रही है, क्योंकि ईरान के सहयोगी रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं और उनके पास वीटो का अधिकार है। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव लाने की तैयारी के बावजूद कूटनीति का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। मसौदे में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का राजनयिक समाधान निकालने की बात कही गई है। ईरान और आईएईए के बीच सहयोग और बातचीत की कमी ने स्थिति को ज्यादा गंभीर बनाया है।

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहें हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद से ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सके तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk

मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षो से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूढ़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणास्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, ची, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दातों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो शर्मिंदगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूढ़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजना दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूढ़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2579

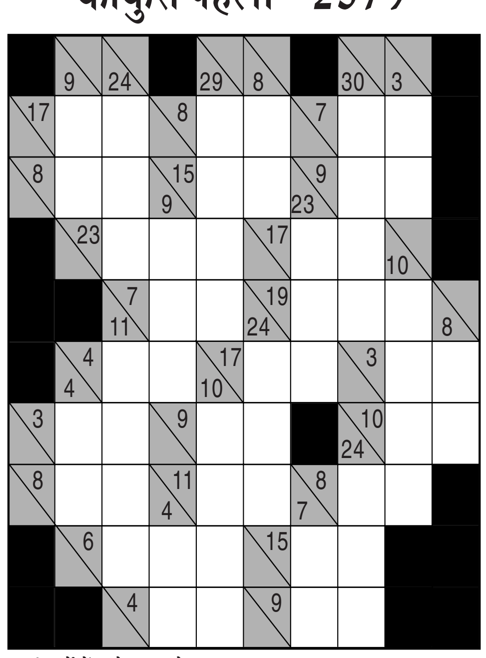

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

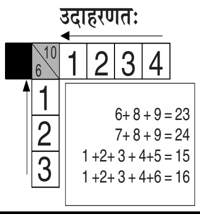

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -2578 का हल

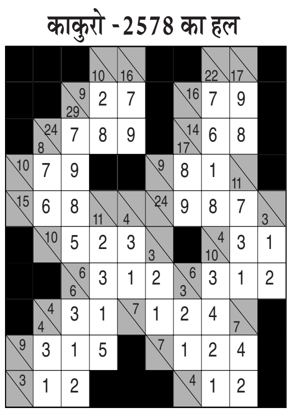

लॉफिंग ज़ोन

सुरेश महिला संघ में भाषण दे रहा था . विषय था-बढ़ती हुई आबादी! सुरेश ने कहा-'आज हालत यह है कि दुनिया में हर मिनट पर कोई न कोई महिला एक बच्चे को पैदा कर रही है, आप ही बताइए कि ऐसी हालत में क्या किया जाये?'

तुरन्त एक सदस्य खड़ी हुई और बोली-'मेरे हिसाब से सबसे पहले ऐसी महिला का पता लगाया जाय और फिर उसे ऐसा करने से रोका जाए.'

☺ ☺ ☺

मां ने अपने सब बच्चों को इकट्ठा करके कहा कि जो सप्ताह भर में सबसे ज्यादा आज्ञाकारी साबित होगा, उसे हर सप्ताह के अन्त में मेरी ओर से एक अच्छा पुरस्कार दिया जायेगा.

सब बच्चों ने एक साथ इस प्रस्ताव का विरोध किया. उनका कहना था कि हर बार वह अच्छा पुरस्कार पिताजी के सिवा और किसी को नहीं मिलेगा.

☺ ☺ ☺

एक हीरोइन ने जब चौथी बार शादी की तो पार्टी के बाद दोस्तों के बीच घिरी हुई वह बताने लगी-'अपने नए पति को मैंने सब कुछ बता दिया है. सारे दोस्तों और प्रेमियों के नाम गिना दिये हैं.'

एक ने कहा-'क्या हिम्मत है!'

दूसरा बोला-'क्या ईमानदारी है!'

तीसरे ने फब्ती कसी-'और क्या याददाश्त है ?'

फिल्म वर्ग पहेली- 2579

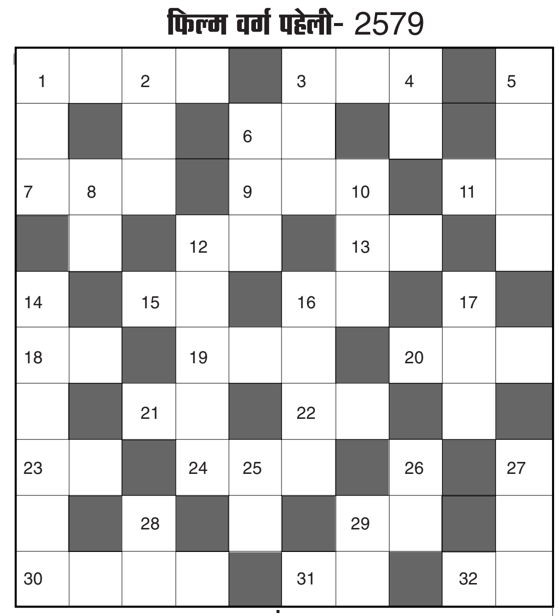

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2578

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		प्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

सूडोकु -2579

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2578 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 2579

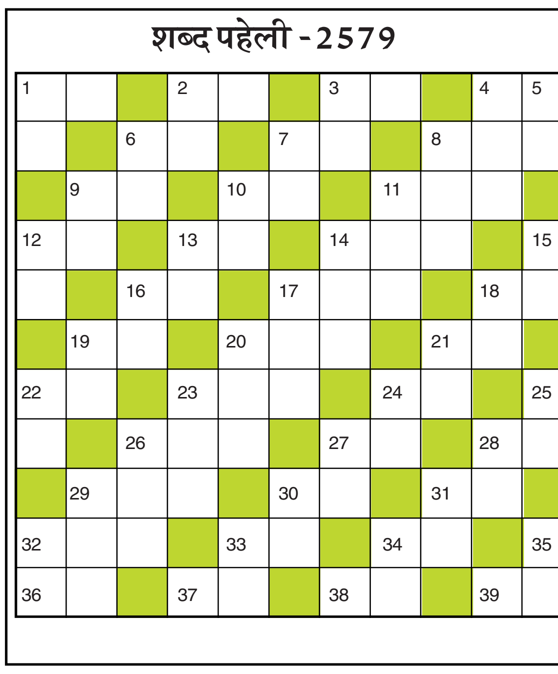

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली - 2578 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		रा	ल

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-3 में युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मयूर विहार फेस-3 इलाके में रविवार सुबह करीब 5:00 बजे अज्ञात लोगों ने लाठी और डंडों से पीटकर एक युवक की हत्या कर दी। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल का मुआयना कर रहे हैं। हालांकि, घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है और आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदा लोगों की सूचियों से इसका मिलान किया जा रहा है। गार्ड नंदलाल ने बताया कि वह सुबह करीब 4:00 बजे जब अपने बाथरूम से वापस लौट रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि कुछ युवक एक व्यक्ति को बेरहमी से पीट रहे थे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया राजस्थान उच्च न्यायालय भवन का निरीक्षण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान उच्च न्यायालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उच्च न्यायालय भवन परिसर में स्थित म्यूजियम, डोम क्षेत्र तथा भवन के विभिन्न भागों में प्रगतिरत जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।मुख्य सचिव ने इन कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन कार्यों में निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने तथा इनकी नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी पर्यवेक्षण के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव, पीडब्ल्यूडी राजस्थान प्रवीण गुप्ता, संभागीय आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी, जिला कलक्टर आलोक रंजन, राजस्थान उच्च न्यायालय की रजिस्ट्रार (प्रशासन) शिवानी सिंह, रजिस्ट्रार (प्रशासन), सब ऑर्डिनेट सुशील कुमार पाराशर, रजिस्ट्रार (वर्गीकरण-द्वितीय) तोषिता मालानी, कोर्ट मैनेजर प्रशांत भारद्वाज सहित प्रशासनिक एवं न्यायालय के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वाराणसी में सीएम योगी का सपा पर निशाना, बोले-2017 से पहले हड़प लिया जाता था बाढ़ राहत का पैसा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर आरोप लगाया कि 2017 से पहले उसकी सरकार के दौरान बाढ़ राहत के लिए भेजा गया पैसा हड़प लिया जाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित करने के लिए वाराणसी पहुंचे थे, जहां उन्होंने जिले के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'आज जो राहत सामग्री हम बांट रहे हैं, वह 2017 से पहले उपलब्ध नहीं थी। उस समय सिर्फ सूखी रोटी मिलती थी। न गर्म भोजन मिलता था, न राशन, न दूध और न ही डिग्निटी किट।' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आपदा राहत कोष से भेजे गए धन का उपयोग सभी व्यवस्थाएं करने और राहत सामग्री वितरित करने में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'वे (समाजवादी पार्टी) गरीबों सहित सभी का पैसा खा जाते थे।' उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ से जिन किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है, उनका सर्वे कराया जा रहा है और उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा।

हिंदुस्तान में हिंदू-मुस्लिम भाई-भाई की तरह हैं : मौलाना अब्बास

लखनऊ। मौलाना यासूब अब्बास ने पत्रकारों से बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में 18वीं सदी की मस्जिद थी, जिस पर डीएम के आदेश के बाद बुलडोजर की कार्रवाई कर दी गई। इस मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। मैं कृत्य को दुर्भाग्यपूर्ण मानता हूं। इस पर स्टे भी चल रहा था। कल सराहनपुर के डीएम ने इस स्टे को खारिज भी किया था। इसके बाद मस्जिद पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई। मौलाना ने कहा कि कोई भी व्यक्ति मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च में मन की शांति के लिए जाता है। मस्जिद वहां लंबे समय से थी, लेकिन आज तक उससे किसी को कोई शिकायत नहीं थी। बाबरी विध्वंस के बाद यह तय हो गया था कि कोई भी मस्जिद नहीं गिराई जाएगी। यह प्रावधान वर्शिप एक्ट के तहत किया गया था।

असम ने कैंसर केयर नेटवर्क का विस्तार किया

किफायती उपचार पर ध्यान केंद्रित किया: सीएम सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि असम राज्य भर के मरीजों को उन्नत और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से तीन स्तरीय कैंसर देखभाल नेटवर्क के माध्यम से अपने कैंसर उपचार बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है। सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राज्य के कैंसर केयर नेटवर्क के चल रहे विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस पहल से मरीजों को किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त करने में मदद मिल रही है, साथ ही मरीजों और उनके परिचारकों के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण सुनिश्चित हो रहा है।

उन्होंने राज्य के विस्तारित कैंसर केयर नेटवर्क के तहत अपनाए जा रहे दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में कोकराझार कैंसर देखभाल केंद्र का उल्लेख किया। तीन स्तरीय मॉडल विभिन्न स्तरों पर कैंसर उपचार सुविधाओं का एक नेटवर्क बनाने

के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे मरीजों को उनके घरों के करीब देखभाल मिल सकेगी और उपचार के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम हो जाएगी। कैंसर असम और व्यापक पूर्वोत्तर में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में उभरा है, इस क्षेत्र में कैंसर के मामलों का काफी बोझ देखा जा रहा है। कई वर्षों से, असम और पड़ोसी पूर्वोत्तर राज्यों के मरीजों को विशेष निदान और उपचार के लिए अक्सर इस क्षेत्र के बाहर के बड़े शहरों की यात्रा करनी पड़ती रही है। इसलिए राज्य सरकार एक ऐसी वितरित कैंसर देखभाल प्रणाली विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की सुविधाओं को विशेष उपचार प्रदान करने में सक्षम केंद्रों के साथ जोड़ती है। टाटा ट्रस्ट्स के साथ साझेदारी में भी इस पहल को आगे बढ़ाया गया है, जिसके तहत असम भर में कई स्थानों पर कैंसर देखभाल केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। व्यापक उद्देश्य रोकथाम, स्क्रीनिंग, निदान, उपचार और अनुवर्ती देखभाल को कवर करने वाली एक एकीकृत प्रणाली बनाना है, साथ ही शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए कैंसर सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना है। कोकराझार सुविधा पश्चिमी असम और आसपास के क्षेत्रों के रोगियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

बिहार के आरा में महानंदा एक्सप्रेस डिरेल, इंजन समेत तीन बोगियां पटरी से उतरीं

एजेंसी

आरा। बिहार के आरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय-दानापुर रेलखंड पर रविवार सुबह आरा रेलवे स्टेशन के पास बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो से करीब 200 मीटर की दूरी पर अप-लाइन में अलीपुरद्वार जंक्शन-दिल्ली महानंदा एक्सप्रेस (15483) डिरेल हो गई। हादसे में ट्रेन का इंजन, एसएलआर और एच-1 बोगी पटरी से उतर गई। घटना के बाद रेलवे महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव व मरम्मत कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार, महानंदा एक्सप्रेस सुबह करीब 4.12 बजे आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची थी। यहां से ट्रेन को दिल्ली की ओर रवाना होना था। बताया जा रहा है कि ट्रेन के परिचालन के दौरान किसी तकनीकी समस्या के कारण उसका सिग्नल सासाराम लाइन की ओर चला गया। इसके बाद ट्रेन आगे बढ़ी और स्टेशन से करीब 200 मीटर की दूरी पर अप लाइन में डिरेल हो गई। इंजन के साथ एसएलआर और एच-1 कोच के पटरी से उतरने के बाद रेलवे कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

रेलवे कर्मचारियों ने राहत कार्य करते हुए पटरी से उतरी तीनों बोगियों को दोबारा ट्रैक पर चढ़ाया। घटना के बाद रेल परिचालन प्रभावित होने की सूचना है। रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंचकर ट्रैक और सिग्नल सिस्टम की जांच में जुटी है। रेलवे अधिकारी पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहे हैं कि सिग्नल सासाराम लाइन की ओर क्यों गया और इसी वजह से ट्रेन गलत दिशा में कैसे चली गई।

बिहार में गंगा ने तोड़ा 10 साल का रिकॉर्ड

पटना के गांधीघाट पर खतरे के निशान से 1.91 मीटर ऊपर गंगा, नए उच्चतम जलस्तर की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मानसूनी बारिश और उफनती नदियों ने विकराल रूप ले लिया है। बिहार में गंगा नदी अपने चरम उफान पर है और राजधानी पटना में जलस्तर ने बीते 10 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राज्य के 18 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। विभाग के अभियंता प्रमुख की ओर से सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को चेतावनी संवाद जारी कर आवश्यक एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, सुबह 9 बजे पटना के गांधीघाट गेज स्थल पर गंगा का जलस्तर 50.51 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान 48.60 मीटर से 1.91 मीटर ऊपर है। नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की प्रवृत्ति बनी हुई है।

विभाग ने विशेष रूप से चिंता जताई है कि गंगा इस स्थल पर अपने अब तक के उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) 50.52 मीटर के बेहद करीब पहुंच गई है और पूर्वानुमान के अनुसार गांधीघाट पर नया उच्चतम जलस्तर बनने की संभावना है। विभाग ने कहा है कि जलस्तर बढ़ने के कारण नदी के प्रवाह क्षेत्र, विशेषकर दियारा इलाकों में दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। चेतावनी संवाद में जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि बाढ़ आपदा के दृष्टिकोण से सभी आवश्यक एहतियाती कदम तत्काल उठाए जाएं। तटबंध के नदी भाग में बसे लोगों को गंगा के बढ़ते जलस्तर और संभावित खतरे की जानकारी देने के साथ ही आवश्यकता के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके अलावा बाढ़ आपदा से निपटने के लिए जिलास्तर पर गठित दलों की लगातार गश्ती सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है। प्रशासन को संवेदनशील इलाकों पर नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

तिरुपत्तूर जिले में एक कुएं से मिले दो बच्चों के शव

पुलिस ने मां और उसके प्रेमी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

तिरुपत्तूर। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले से एक दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों को कुएं में फेंक दिया। फिलहाल, इस मामले में महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, तिरुपत्तूर जिले के वानियामबाड़ी क्षेत्र में एक पूर्व प्रशासनिक अधिकारी के खेत में बने कुएं से 30 अगस्त को दो बच्चों को शव मिले थे। जब वह पूर्व अधिकारी खेत पर पहुंचा था, तो पानी में शव तैर रहे थे। इसके बाद तुरंत स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कुएं से बच्चों के सड़े-गले शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए वानियामबाड़ी सरकारी अस्पताल भेजे। साथ ही, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच में पता चला कि तिरुवन्नामलाई जिले के जमुनामराथुर के वेलिचानूर गांव के रहने वाले एक व्यक्ति और उनकी पत्नी शिवगामी के दो बेटे थे,

जिनके नाम प्रेमकुमार (5 साल) और प्रताप (2 साल) थे। व्यक्ति को 6 महीने पहले लाल चंदन की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था, तब से वह जेल में था।

बाद में पत्नी शिवगामी अपने मायके लौट आई। इसके बाद उसकी जान-पहचान अथिपट्टू गांव के एक ड्राइवर राजा से हुई। वह शादीशुदा है और उसके 3 बच्चे हैं। शिवगामी और राजा के बीच संबंध बन गए जो बाद में अफेयर में बदल गए। कहा जाता है कि पिछले 6 महीने से अकेली रह रही शिवगामी फिर से गर्भवती हो गई थी।

अपने पति से हुए दो बेटों का क्या करे, यह समझ न आने पर पिछले महीने की 28 तारीख की सुबह वह अपने दोनों बेटों को बस से जमुनामारथुर से अलंगायम ले गई। उसने बस स्टैंड पर एक चाय की दुकान पर बच्चों चाय और बिस्कुट खिलाए। फिर उन्हें पेथुर इलाके में ले जाकर एक पूर्व प्रशासनिक अधिकारी के खेत में बने कुएं में फेंक दिया और वहां से चली गई। दो-तीन दिन इधर-उधर भटकने के बाद उसने अपने प्रेमी राजा को इस बारे में बताया। इसके बाद, राजा ने तीन दिन तक शिवगामी को कहीं छिपाकर रखा। जब उसे पता चला कि पुलिस टीम अपराधी की तलाश कर रही है, तो उसने शिवगामी को उसकी मां के घर भेज दिया।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में तोड़ी गई मस्जिद के बीच निकला 20 फीट गहरा कुआं

एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी अवैध मस्जिद को तोड़ने के बाद उसके बीच में एक गहरा कुआं मिला है। फिलहाल, पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद है और मस्जिद के बीच मिले कुएं को ढक दिया गया है। अवैध मस्जिद को गिराए जाने के बाद जब अधिकारियों ने मलबा हटाया, तो वहां तकरीबन 20 फीट गहरा कुआं मिला है। इसके बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से इसकी जांच कराने का फैसला किया गया है। एसडीएम (सदर) सुबोध कुमार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'कोर्ट के आदेश के मुताबिक, पहले मस्जिद को गिराने की कार्रवाई की गई थी। उसी क्रम में एक कुएं की संरचना प्राप्त हुई है। इसके संबंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ओर से जांच की जाएगी। इसके बाद ही कुएं के संबंध में आगे की जानकारी दी जाएगी।' उन्होंने दोहराते हुए कहा,

'इस मामले में आगे के निर्देश जारी किए गए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टीमें यहां आएंगी और वे ही इसकी जांच करेंगी।' वहीं, प्रशासन ने मस्जिद को जमींदोज करने के बाद खाली स्थान को पूरी तरह समतल कर दिया है। मस्जिद के मलबे को भी सहारनपुर से 10 किलोमीटर दूर गिराया गया है। कलेक्ट्रेट परिसर से एक-एक ईंट उठाई गई। मस्जिद के बीच में कुआं मिलने से प्रशासन और अधिक सतर्कता बरत रहा है। उधर, समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रविवार को सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित 119 वर्ष पुरानी मस्जिद को गिराए जाने के मामले में जांच और तथ्य जुटाने के लिए पहुंचेगा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा का प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर पहुंचेगा।

केएन नेहरू पर विजिलेंस छापेमारी से गरमाई तमिलनाडु की राजनीति, कनिमोझी ने सरकार पर साधा निशाना

'पार्टी और नेहरू कानूनी तरीकों से इस कार्रवाई का सामना करेंगे'

एजेंसी

चेन्नई। डीएमके की उप महासचिव कनिमोझी ने तमिलनाडु के पूर्व नगर प्रशासक मंत्री केएन नेहरू से जुड़ी जगहों पर विजिलेंस की छापेमारी को लेकर टीवीके सरकार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी सरकार सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करके राजनीतिक विरोधियों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है। कनिमोझी ने कहा कि डीएमके छापेमारी, धमकियों या राजनीतिक दबाव से डरेगी नहीं और इस कार्रवाई का राजनीतिक और कानूनी रूप से सामना करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ये छापेमारी तमिलनाडु के लोगों से जुड़े मुद्दों को हल करने के बजाय विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने की सरकार की कोशिश को दिखाती है।

उनके ये बयान तब आए जब डायरेक्टरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन (डीवीएसी) ने चेन्नई और तिरुचिरापल्ली में नेहरू, उनके भाई केएन रविचंद्रन और अन्य लोगों से जुड़ी 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। चेन्नई में, विजिलेंस टीमों ने अलवरपेट में नेहरू के घर, आरए पुरम में रविचंद्रन के घर और अडयार में उनसे जुड़े एक ऑफिस की तलाशी ली। माइलापुर, तिरुवनमियूर, अन्ना नगर, अभिरामपुरम और अन्य इलाकों में भी छापेमारी की गई। तिरुचिरापल्ली में, डीवीएसी अधिकारी सुबह-सुबह थिल्लई नगर में नेहरू के घर पहुंचे और गहन तलाशी ली। संपत्ति के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था क्योंकि डीएमके कार्यकर्ता

बाहर जमा हो गए थे और सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे। ये छापेमारी नेहरू के कार्यकाल के दौरान म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन और वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट में गड़बड़ी के आरोपों से जुड़ी है। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण, सफाई परियोजनाओं और अन्य नागरिक योजनाओं के लिए सरकारी कॉन्ट्रैक्ट देने में हेरफेर की गई और कॉन्ट्रैक्टरों से कमीशन वसूला गया। 1,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के लेन-देन जांच के दायरे में हैं। विभाग पर 2,500 से ज्यादा पदों पर भर्ती और ट्रांसफर-पोस्टिंग में कथित गड़बड़ी के आरोप भी लगे हैं। डीवीएसी ने पहले कथित लेन-देन से जुड़े सबूतों के आधार पर मामला दर्ज किया था। शनिवार की छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों, नकदी या अन्य सामान (अगर कोई हो) का विवरण तुरंत नहीं बताया गया। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने इन छापों की निंदा करते हुए इन्हें राजनीतिक मकसद से प्रेरित बताया।

सोनू भैया का जाना मेरे जीवन में ऐसी रिक्तता छोड़ गया, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं : हेमंत सोरेन

इस खबर को स्वीकार कर पाना मेरे लिए बेहद कठिन है : सीएम

एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने करीबी सहयोगी और राज्य सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन से व्यथित हैं। उन्होंने सोनू के निधन को अपने लिए व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा कि उनके जाने से जीवन में ऐसी रिक्तता पैदा हो गई है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री ने भावुक संदेश में कहा, 'देर रात अपने बड़े भाई, हमारे प्रिय सुदिव्य कुमार सोनू जी के निधन का दुखद समाचार मिला। इस खबर को स्वीकार कर पाना मेरे लिए बेहद कठिन है।' हेमंत सोरेन ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू उनके लिए सिर्फ वरिष्ठ साथी या राजनीतिक सहकर्मी नहीं थे। वह उनके लिए बड़े भाई की तरह थे। स्नेह देने वाले, मार्गदर्शन करने वाले और हर कठिन समय में मजबूती से

साथ खड़े रहने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि सोनू के साथ बिताए पल और उनसे मिली सीख हमेशा उनके साथ रहेगी। मुख्यमंत्री ने सुदिव्य सोनू के साथ अपने पुराने राजनीतिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन के दौर से ही वह स्मृति-शेष बाबा दिशोम गुरुजी के साथ पूरी निष्ठा और मजबूती से खड़े रहे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक समर्पित सिपाही के रूप में उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड की अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान की लड़ाई को समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि झारखंडियत के प्रति सुदिव्य सोनू का समर्पण और उनकी जुझारू भावना हमेशा याद की जाएगी। सुदिव्य सोनू के आकस्मिक निधन ने मुख्यमंत्री को जीवन की क्षणभंगुरता पर भी सोचने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, 'कल तक जो आवाज हमारे बीच थी, आज वह सिर्फ स्मृतियों में रह गई है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदिव्य सोनू का जाना उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है और उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। उन्होंने कहा कि सोनू का स्नेह, उनका संघर्ष और झारखंड के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जीवनभर उनके साथ रहेगी।

अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने बेहद भावुक होते हुए कहा, 'सोनू भैया, आपका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। आपकी कमी हमेशा महसूस होगी। आपके स्नेह, आपके संघर्ष और झारखंड के लिए आपकी प्रतिबद्धता को मैं जीवनभर अपने साथ लेकर चलूंगा। आप हमेशा याद आएंगे भैया।'

विधानसभा में सीएम विजय के जवाब से पहले विधानसभा विजिटर पास की भारी मांग

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को होने वाली कार्यवाही के लिए विज़िटर पास की भारी मांग है, क्योंकि छात्र और आम लोग गृह विभाग के लिए अनुदान की मांगों पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को देखना चाहते हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम तक स्कूल और कॉलेज के विज़िटर्स के लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन लगभग भर चुके थे, जो 7 सितंबर को विजय के तय जवाब में लोगों की बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। विधानसभा अधिकारियों ने बताया कि सुबह 11 बजे से 11:30 बजे तक का स्लॉट पूरी तरह बुक हो चुका था, जबकि शाम 7:30 बजे तक सुबह 10:30 बजे तक 11 बजे वाले स्लॉट के लिए कुछ ही सीटें बची थीं। अधिकारियों ने इस भीड़ का मुख्य कारण सदन में मुख्यमंत्री की मौजूदगी और गृह विभाग की बहस का महत्व बताया। यह विभाग पुलिसिंग, कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों को देखता है, जिससे सरकार का जवाब इस सत्र के सबसे अहम पलों में से एक बन जाता है। वहीं, कार्यवाही में शामिल होने के इच्छुक छात्रों को विधानसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद खास सुविधा के ज़रिए रजिस्टर करना होगा। यह व्यवस्था शैक्षणिक संस्थानों और व्यक्तिगत छात्रों को उपलब्धता और प्रवेश नियमों के आधार पर पहले से सीटें रिजर्व करने की सुविधा देती है। विज़िटर्स विधानसभा हॉल के अंदर बैठने की दो तरह की सुविधाओं से कार्यवाही देख सकते हैं। इसमें आठ बॉक्स-स्टाइल गैलरी में हर एक में पांच सीटें हैं, जबकि हॉल के दोनों तरफ लगी बेंचों पर एक साथ लगभग 100 से 150 लोग बैठ सकते हैं। विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से लोगों की मौजूदगी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। जब भी विजय सत्र में शामिल होते हैं, तो विजिटर्स की संख्या बढ़ जाती है, क्योंकि कई लोग मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से देखने और विधानसभा के कामकाज को समझने के इच्छुक होते हैं।

मोहम्मद शमी की वनडे टीम में हो सकती है वापसी

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.

एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज – जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अर्शदीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखना होगा.

शमी ने फिटनेस को लेकर दिया जवाब – प्मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी उनकी फिटनेस को लेकर बयान दे चुके हैं.

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार रेस में

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार का नाम सामने आ रहा है. हालांकि चयनकर्ता अगर टीम में चार तेज गेंदबाज रखना चाहते हैं तो मोहम्मद शमी एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं. शमी के पक्ष में सबसे बड़ी बात उनका अनुभव है. बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव के ज्यादा विकल्प मौजूद नहीं होंगे. ऐसे में शमी की वापसी टीम के पेस अटैक को मजबूती दे सकती है.

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स, एजेंसी। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने

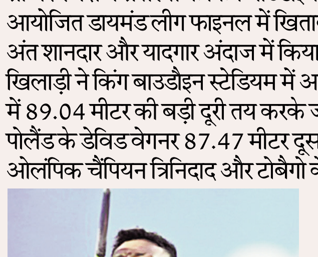

सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।' इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए। रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है। 2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

साई ने झटके 5 विकेट

साई किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी, ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल , एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था। इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकर्डेकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था। वहीं मैट मॉन्टगोमरी ने वापसी का कैच हाथ से निकाल दिया और हैमंड को 77 रन पर जीवनदान मिल गया। ग्लॉस्टरशायर की चौथे विकेट की जोड़ी ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और 143 गेंदों में शतकीय साझेदारी कर मैच पर अपना दबदबा बना लिया। ब्रेसी ने 75 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्लॉस्टरशायर ने डर्बीशायर को 9 विकेट से हराया

वहीं हैमंड ने जैक मॉर्ली की गेंद को फाइन लेग की ओर खेला और दो रन लेकर 182 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा और करियर का आठवां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। डर्बीशायर ने नई गेंद ली और तेज़ गेंदबाज़ बेन एटचिसन और ब्रेट रैंडेल को दोबारा गेंदबाज़ी पर लगाया। लेकिन ब्रेसी और हैमंड ने लंच तक स्कोर को 3 विकेट पर 268 रन तक पहुंचा दिया। ग्लॉस्टरशायर को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाने के बाद हैमंड ने मार्टिन एंडरसन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला, जहां मॉन्टगोमरी ने उनका कैच पकड़कर उनकी पारी ख़त्म कर दी। हैमंड ने समझदारी से डिफेंस और आक्रमण का अच्छा संतुलन बनाकर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद ब्रेसी भी तीन अंकों तक पहुंच गए। उन्होंने 143 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से इस सीज़न का अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम ने पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही वह 1919 में हैरी स्मिथ के बाद एक मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले विकेटकीपर भी बने। डर्बीशायर को जीत के लिए लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे, लेकिन उसकी कोशिश जीत से ज़्यादा मैच बचाने तक ही सीमित रही। ग्लॉस्टरशायर ने दोनों छोर से स्पिन गेंदबाज़ी शुरू की और बल्लेबाज़ के आसपास क़रीबी फ़ील्डर लगा दिए।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एक साथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चूके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिकेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिकेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिकेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

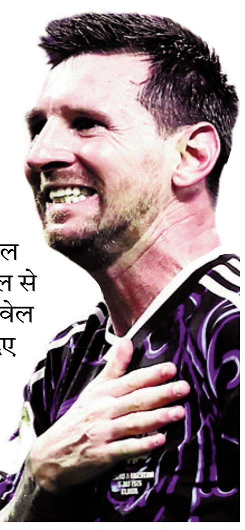

यूएस ओपन 2026

कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका – आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गईं।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'

'लव लॉटरी' में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी हेली दारूवाला

हेली दारूवाला ने टेलीविजन के चर्चित धारावाहिकों से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक 'नागिन 3' में खलनायिका की भूमिका से पहचान बनाने के बाद वह वर्ष 2025 में 'एक चतुर नार' में टीना गुप्ता की नकारात्मक भूमिका में नजर आईं। अब वह अरविंद पांडे के निर्देशन में बनी 'लव लॉटरी' में अक्षय ओबेरॉय के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

आपको टेलीविजन ने पहचान दी। क्या कभी ऐसा लगा कि उस लोकप्रियता ने आपको एक खास छवि (टाइपकास्ट) में बांध दिया? बतौर अभिनेत्री आपके भीतर सबसे बड़ा बदलाव क्या आया है?

मैंने टेलीविजन में अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ की हैं। मैंने कोई ऐसा शो नहीं किया जो सालों-साल चले और मैं एक ही किरदार में बंध जाऊं। मैंने कोई टिपिकल 'सास-बहू' ड्रामा भी नहीं किया है। मेरा सफर स्कूल और कॉलेज वाले शोज से शुरू हुआ, फिर कजिन्स पर आधारित शो किया और बाद में 'नागिन' जैसा ग्लैमरस शो किया। इसलिए मेरी ऐसी कोई एक छवि नहीं बनी जिससे मुझे बंधने का अहसास हो।

'एक चतुर नार' के बाद आपने फिर से रहस्य और अपराध (सस्पेंस/क्राइम) से जुड़ी कहानी चुनी, जिसमें मर्डर, मिस्ट्री और कोर्टरूम ड्रामा है। इसे चुनने की क्या वजह रही?

इसके बाद मेरे पास यही फिल्म आई और मुझे इसका अपना किरदार बहुत दिलचस्प लगा। ऐसा रोल मैंने पहले कभी नहीं किया था। एक एक्टर के तौर पर मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूँ, इसीलिए मैंने इसे चुना।

अक्षय ओबेरॉय जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ काम करते हुए अपने किरदार के लिए क्या अतिरिक्त तैयारी की?

अनुभवी तो हम दोनों ही हैं, लेकिन हाँ, मैंने उनका काम देखा है। रीडिंग सेशन के दौरान मैंने उनसे काफी टिप्स और इनपुट्स लिए। जब आप साथ में काम कर रहे होते हैं, तो सामने वाले का नज़रिया समझना बहुत जरूरी होता है। अक्षय के साथ केमिस्ट्री बहुत अच्छी रही, वह बहुत बेहतरीन इंसान हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस फिल्म की कहानी में चेहरे के भाव और ठहराव (साइलेंस) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना संवाद। बिना बोले भी अभिव्यक्ति देनी पड़ती है। ऐसा कोई दृश्य जिसने चुनौती दी हो?

हाँ, ऐसे कई सीन थे। इस किरदार की भावनाएं और सोच मेरी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग थीं। मैं असल जिंदगी में वैसी इंसान नहीं हूँ। इसलिए खुद को अलग रखकर एक नकारात्मक या जटिल सोच वाले किरदार की भावनाओं को महसूस करना और स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण था।

सस्पेंस फिल्मों में कलाकारों को दर्शकों से भी काफी कुछ छुपाना पड़ता है, अपने किरदार की परतें नियंत्रित रखनी होती हैं। यह कितना कठिन था?

यह काफी एक्साइटिंग था। एक एक्टर का काम ही यही है कि वह दर्शकों को केवल वही दिखाए जो उस सीन के लिए जरूरी है, न कि अपने मन की बात। मुझे इसके अलग-अलग शेड्स प्ले करने में बहुत मज़ा आया।

आजकल सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग और लोकप्रियता का दबाव रहता है। क्या इसका असर कलाकारों के वास्तविक अभिनय पर पड़ता है?

यह हर इंसान की व्यक्तिगत सोच है कि वह सोशल मीडिया या फेम को कैसे लेता है। मेरे फैंस और फॉलोअर्स मुझसे इसलिए जुड़े हैं क्योंकि उन्हें मेरा काम (टेलीविजन, ओटीटी या डांस) पसंद आया है। वे हमेशा मेरे अगले प्रोजेक्ट का इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया से मुझे दबाव नहीं, बल्कि और अच्छा काम करने की प्रेरणा और उत्साह मिलता है।

फिल्म 'लव लॉटरी' को लेकर क्या उम्मीदें हैं

यह एक पूरी तरह से स्टोरी-ड्रिवन (कहानी पर आधारित) फिल्म है। इसमें काफी ट्विस्ट एंड टर्न्स, सस्पेंस, थ्रिलर के साथ-साथ रोमांस और अच्छे गाने भी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जरूर जुड़ पाएंगे और इसे पसंद करेंगे।

प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिव प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

'मिर्जापुर' की गोलू और श्वेता त्रिपाठी में क्या है खास समानता?

एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म 'मिर्जापुर : द फिल्म' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में एक बार फिर वह गोलू गुप्ता के अपने पसंदीदा किरदार में नजर आने वाली हैं। गोलू का किरदार श्वेता के करियर के सबसे चर्चित किरदारों में से एक रहा है। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि गोलू और उनमें सबसे बड़ी समानता किताबों के प्रति प्यार है, इसलिए जब उन्हें गोलू के किरदार में किताबों से लगाव को समझाने का सीन किया, तो इसके लिए उन्हें अलग से तैयारी या रिसर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। श्वेता ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे कभी ऐसा किरदार मिले, जिसमें उसके व्यक्तित्व का कोई हिस्सा पहले से मौजूद हो। मेरे लिए गोलू कुछ ऐसा ही किरदार रही है। किताबों के प्रति गोलू का लगाव मुझे बहुत अपना लगा, क्योंकि मैं खुद भी कई सालों से किताबें पढ़ती आ रही हूं। मैं अक्सर किताबों की दुकान पर यह सोचकर जाती हूं कि मैं सिर्फ किताबें देखूंगी, लेकिन वहां से कम से कम तीन किताबें लेकर ही निकलती हूं।''

श्वेता ने कहा, ''पढ़ने की आदत ने मेरे सोचने और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल दिया है। किताबों ने मुझे अलग-अलग तरह के लोगों को समझने में मदद की। एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी होता है, क्योंकि किसी किरदार को निभाने से पहले यह समझना पड़ता है कि वह व्यक्ति किसी स्थिति में वैसा व्यवहार क्यों कर रहा है। किताबें इंसान को अपनी जिंदगी से बाहर निकले बिना कई अलग-अलग लोगों और उनकी जिंदगियों को समझने का मौका देती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''किताबों ने मुझे लोगों के बारे में तुरंत राय बनाने से भी बचाया है। पढ़ने की वजह से मैं दूसरों को ज्यादा समझ पाती हूं और मेरे अंदर दूसरों की भावनाओं को महसूस करने की क्षमता बढ़ी है। इसके साथ ही किताबों ने मेरे अंदर लगातार कुछ नया जानने और सीखने की इच्छा भी बनाए रखी है। यही वजह है कि मुझे गोलू के किरदार में भी अपनी सोच की झलक दिखाई देती है।''

श्वेता ने कहा, ''गोलू और मेरे बीच सिर्फ किताबें ही एक समान चीज नहीं हैं। हम दोनों में सवाल पूछने और हर बात को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करने की आदत भी है। हम दोनों कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहती हैं, लेकिन हमारे स्वभाव में एक बड़ा अंतर है। गोलू काफी शांत और कम बोलने वाली है, जबकि मैं खुद बातचीत करना और अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर करना पसंद करती हूं।'' बता दें कि 'मिर्जापुर : द फिल्म' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी फिल्म के सह-निर्माता हैं।

मालामाल वीकली 2 में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है।

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है। इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। ईशा ने कहा, 'मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'स्ङ्घत्र'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।'

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है। ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने कहा, ''नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।'

रितेश से एल्विश तक ये सितारे आएंगे नजर

'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

श्वेता बसु की एंट्री से बढ़ेगा 'असुर 3' का सस्पेंस

वेब सीरीज 'असुर' के तीसरे सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अरशद वारसी और बरुण सोबती की इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज की शूटिंग सितंबर 2026 से शुरू होने की तैयारी है। इसकी स्क्रिप्ट भी लॉक हो चुकी है। तीसरे सीजन में श्वेता के किरदार की डिटेल फिलहाल गोपनीय रखी गई है। माना जा रहा है कि उनकी एंट्री कहानी में नई परत जोड़ेगी। वह सीरीज में नया सस्पेंस जोड़ेंगी। वहीं, कास्टिंग अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ और नाम सामने आएंगे। इस बार 'असुर 3' में कैमरे के पीछे भी बदलाव होगा। सीरीज के क्रिएटर और राइटर गौरव शुक्ला पहली बार निर्देशन की कमान संभालेंगे।

कार्थी की फिल्म में दिखेंगी नयनतारा

अभिनेता कार्थी ने हाल ही में निर्देशक मोहन राजा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ नयनतारा या तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस कास्टिंग की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए नयनतारा पहली पसंद हैं। अगर वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं तो 'काश्मोरा' के बाद यह उनकी और कार्थी की दूसरी फिल्म होगी। नयनतारा इससे पहले मोहन राजा के साथ 'थानी ओरुवन', 'वेलैक्कारण' और 'गॉडफादर' में भी काम कर चुकी हैं। अगर नयनतारा अपनी व्यस्तता के कारण फिल्म नहीं कर पाती हैं, तो मेकर्स तृषा कृष्णन से संपर्क कर सकते हैं।

सुंदरता और स्वास्थ्य का अच्छा दोस्त नारियल पानी

हरा नारियल शीतल प्रकृति का, पौष्टिक व रक्त विकारों को नष्ट करने वाला फल है। नारियल का पानी प्यास बुझाने में सहायक होता है। नारियल का पानी गुणों का भंडार है। इसके नियमित सेवन से कई लाभ हैं:

- हैजा होने पर नारियल का पानी देना लाभकारी होता है। शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद देता है।
- गुर्दे की पथरी या पेशाब में जलन होने पर नारियल का पानी पीना हितकर है।
- नारियल के पानी से चेहरा धोने पर दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि में लाभ होता है और त्वचा की कांति बढ़ती है।
- गर्भवती महिलाएं यदि कच्चा नारियल थोड़ा-सा प्रतिदिन लें या नारियल पानी का सेवन करें तो बच्चा सुंदर और गोरे रंग का होता है।
- नारियल पानी से आंखें धोने पर आखों की ज्योति बढ़ती है।
- नारियल पानी के सेवन से पाचन शक्ति बढ़ती है।
- नारियल पानी हृदय रोगियों के लिए भी हितकर माना जाता है।
- नकसीर आने पर प्रतिदिन 100 से 125 मिलीलीटर नारियल पानी 100 से 125 मिलीलीटर नारियल पानी 10 दिन तक खाली पेट पीने को दें। लाभ मिलता है। नारियल पानी संक्रामक रोगों में भी रोगी को आराम देता है।
- बार-बार प्यास लगने पर नारियल का पानी प्यास बुझाता है।
- नारियल पानी में यह सबसे महत्वपूर्ण लाभ है कि इसमें किसी प्रकार का कोई एसिड मिला नहीं होता।

सावधानी: अत्यधिक सेवन नुक्सान पहुंचा सकता है। अधिक लम्बे समय तक इसका सेवन न करें।

मेकअप के कुछ नए फंडे

प्राचीन समय से ही सुंदर लगना महिलाओं को प्रिय लगता है तब नानी-दादी जो भी घरेलू उपाय खुद करती थीं, वही वे आगे बेटियों को बताती थीं इसलिए वही पुराने उपाय आगे चलते जाते थे मगर अब तो महिलाएं पढ़-लिख कर बहुत आगे तक जा चुकी हैं।

अब उन्हें नए जमाने के साथ सौंदर्य साधनों के फंडों को भी बदलना चाहिए। उन्हें तोड़ देने चाहिएं पुराने प्रयोग और अपनाने चाहिएं नए प्रयोग। बस ध्यान देना चाहिए कि नया प्रयोग आप पर फूहड़ न लगे। ड्रैस के अनुसार और अवसर के अनुसार उनका प्रयोग करना चाहिए।

रैड लिपस्टिक मानी जाती है कि बहुत लाऊड लगती है। ऐसा नहीं है। यदि आप ब्राऊनिश रैड या मैरूनिश रैड लगाती हैं तो ये अक्सर सब पर जंचती हैं। बिल्कुल रैड लिपस्टिक सभी पर नहीं जंचती। हॉट रैड लिपस्टिक जब भी लगाएं उसके साथ मेकअप बहुत कम करें। आई मेकअप भी बिल्कुल हल्का करें। हॉट रैड लिपस्टिक के साथ डार्क मेकअप अच्छा नहीं लगता। वैसे आजकल रैड कलर फैशन में है।

पाऊडर यदि कम मात्रा में एकसार चेहरे और गर्दन पर लगाया जाए तो चेहरा आकर्षक लगता है और पाऊडर की मोटी परत लगाई जाए तो त्वचा पपड़ीदार फ्लैकी लगती है इसलिए जब भी पाऊडर लगाएं, एकस्ट्रा पाऊडर को ब्रश से झाड़ कर कम कर दें। पुराने लोगों का मानना है कि पाऊडर लगाने से महिला उम्र से बड़ी लगती हैं।

हाथों और पैरों की उंगलियों की नेल पालिश पहले लोग एक ही रंग की लगाते थे। बहुत सालों तक इसी प्रयोग को अपनाया जाता रहा है। अब लोग हाथों और पैरों की उंगलियों पर अलग-अलग नेल पालिश लगाते हैं।

पहले लिपग्लॉस बस 40 वर्ष तक की महिलाएं लगाती थीं पर अब 30 वर्ष के बाद लिपग्लॉस लोग अक्सर नहीं लगाते। फिर भी आप लिपग्लॉस लगाना चाहें तो पहले होंठों पर लिप बाम लगाएं, फिर लिप डिफाइनर से लिप को आकार देकर उसमें लिपग्लॉस लगाएं ताकि लिपग्लॉस होंठों से बाहर न फैले।

पहले महिलाएं लिपस्टिक लगाते समय लिप लाइनर से आऊट लाइन बनाती थीं और उसमें लिपस्टिक लगाती थीं। नए फैशन में लिपस्टिक सीधी होंठों पर लगाई जाती है क्योंकि इससे नैचुरल लुक आती है। इससे होंठ सॉफ्ट रहते हैं। वैसे आजकल लाइट शेड की लिपस्टिक ज्यादा पसंद की जाती है। अगर आप आऊटलाइन लगाना ही चाहते हैं तो हल्की आऊट लाइन करें और उसे ब्लैंड कर लें।

शिमरी मेकअप आज का नया फंडा है। यह मेकअप यदि ढंग से किया जाए तो आपको जवां बना देता है। शिमर का प्रयोग आप कहीं भी, कभी भी कर सकते हैं। कैमल, पिंक शिमर वाला मेकअप आप दिन और रात कभी भी कर सकते हैं। लिपस्टिक त्वचा से मेल करती लगाएं। यह नया फंडा है। पहले लोग ड्रैस और मेकअप अनुसार लिपस्टिक के रंग का चयन करते थे, अब त्वचा से मेल खाती लगाते हैं।

आंखों के प्राकृतिक रंग से मेला खाता आईशैडो लगाने से आंखों की तरफ ध्यान ही नहीं जाता। नए फंडे के अनुसार शैडो का रंग आंखों के प्राकृतिक रंग से विपरीत होना चाहिए जैसे ग्रीन आंखों वाले को पर्पल, मोव, सिल्वर, गोल्ड या कोरल टोन वाला आई शैडो लगाना चाहिए। नीली आंखों वाले को लाइट पिंक पीच, कॉपर, ब्रांज और गोल्ड लगाना चाहिए। भूरी आंखें वालों को एमरल्ड ग्रीन, मोव, पर्पल, डीप प्लम शेड का प्रयोग करना चाहिए।

घरेलू फेस पैक बढ़ाएं सौंदर्य

- तैलीय त्वचा की महिलाओं के लिए चंदन और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बहुत उपयोगी है। इस पैक को बनाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी व चंदन पाऊडर को समान मात्रा में लें और उसमें गुलाब जल मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं, लाभ होगा।
- त्वचा के कालेपन को दूर करने के लिए संतरे के रस को थोड़ी-सी मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाऊडर व हल्दी को मिलाकर उसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। कुछ ही सप्ताह में आप देखेंगी कि आपकी त्वचा में आश्चर्यजनक निखार आ गया है।
- चेहरे की त्वचा को निखारने के लिए पपीते के गूदे में चंदन पाऊडर व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर उसका पैक चेहरे पर लगाएं।
- चेहरे की रंगत काली पड़ गई हो तो बादाम और शहद को समान मात्रा में लेकर उसका पैक चेहरे पर लगाएं। चेहरे पर मुंहासों के दाग व धब्बे हो गए हों तो उस पर नीम के पत्तों को पीस कर उसका पैक लगाने से चेहरे की त्वचा साफ व दाग-धब्बों रहित हो जाती है।
- पुदीने को पीस कर उसमें थोड़ी-सी पिसी हल्दी और बेसन मिलाकर इसका पैक चेहरे पर लगाएं। यह फेस पैक त्वचा को कांतिमय बनाने में बहुत उपयोगी है।
- अरहर की पिसी दाल में दही मिक्स करके इसका पैक चेहरे पर लगाएं और सूखने पर इसे धीरे-धीरे रगड़कर साफ कर लें। यह फेस पैक चेहरे के दाग-धब्बों के लिए बहुत उपयोगी है।
- शुष्क त्वचा पर संतरे के रस में शहद मिलाकर त्वचा पर सूखने तक लगाएं, लाभ होगा

त्वचा को निखारें

त्वचा पर कृत्रिम प्रसाधनों का प्रयोग कम से कम करें। अगर किसी सौंदर्य प्रसाधन का प्रयोग करें भी तो अच्छी कम्पनी व अच्छी क्वालिटी का ही लें और प्रयोग से पूर्व हाथ की त्वचा पर उसके प्रभाव को जान लें।

हमारी त्वचा को हर मौसम प्रभावित करता है चाहे वह गर्मी हो या सर्दी या बरसात। गर्मियों में त्वचा को गर्मी और पसीने का सामना करना पड़ता है तो सर्दियों में खुश्की और बारिशों में त्वचा को संक्रमण का डर रहता है। इसके अतिरिक्त बढ़ते सौंदर्य प्रसाधनों का त्वचा पर प्रयोग भी त्वचा पर हानिकारक प्रभाव डालता है क्योंकि इन सौंदर्य प्रसाधनों में कई कृत्रिम रसायन मिले होते हैं और इनका नियमित प्रयोग त्वचा पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। त्वचा को इन सब प्रभावों से बचाने के लिए आवश्यक है त्वचा की नियमित देखभाल:-

* प्रतिदिन त्वचा पर धूल-मिट्टी की परत जमती है और इसकी प्रतिदिन सफाई करना आवश्यक है इसलिए सौम्य साबुन से स्नान करें और चेहरे पर फेश वाश का प्रयोग करें क्योंकि यह त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखता है। त्वचा को पोछते समय भी हल्के हाथो से तौलिए से पोंछें। चेहरे की त्वचा नाजुक होती हैं इसलिए इसे रगड़कर न पोंछे।
* त्वचा पर माइश्चराइजर अवश्य लगाएं क्योंकि यह त्वचा की प्राकृतिक नमी बरकरार रखता है।
* प्राय: हम चेहरे की त्वचा पर तो अधिक ध्यान देते हैं पर गर्दन, बांहें, टांगों, हाथों, पीठ, पैरों की त्वचा को अनदेखा कर देते हैं। शरीर की सम्पूर्ण त्वचा की देखभाल बहुत आवश्यक है और जो अंग खुले रहते हैं, उनकी तरफ तो विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। स्नान करते वक्त इनकी सफाई की ओर भी ध्यान दें। सप्ताह में एक बार मैनीक्योर और पैडीक्योंर अवश्य करवाएं। गर्दन और पीठ को भी हल्के हाथों से ब्रश से अच्छी तरह साफ करें। बहुत अधिक रगड़ें नहीं, नहीं तो पीठ और गर्दन पर निशान पड़ सकते हैं।
* रात को सोने से पहले त्वचा पर ओवरनाइट नरिशिग क्रीम या बॉडी लोशन लगाएं व मसाज करें। इससे त्वचा में रक्त संचार बढ़ेगा और त्वचा की कोमलता बनी रहेगी। आपको मुंहासों की शिकायत है तो आप रात को एंटीसैप्टिक क्रीम का प्रयोग करें क्योंकि रात को यह अधिक असरदायक होती है।
* 25 वर्ष की आयु के पश्चात 15 दिन पश्चात फेशियल करवाएं। इससे चेहरे की त्वचा में कसाव आएगा और त्वचा पुष्ट बनेगी। बढ़ती उम्र में तो झुर्रियों को रोकने में फेशियल बहुत प्रभावी है।

* तेज धूप त्वचा को नुक्सान पहुंचाती है। सूर्य की अल्ट्रावायलैट किरणों के हानिकारक प्रभाव से त्वचा कैंसर तक भी हो सकता है। जब भी धूप में बाहर जाएं तो सन स्क्रीन का अवश्य प्रयोग करें। यह त्वचा को सूर्य की यूवी किरणों से तो सुरक्षा देती है, साथ ही त्वचा का सांवलापन भी रोकती है। सनस्क्रीन का प्रयोग सभी खुले रहने वाले अंगों जैसे हाथ, बांहों, गर्दन, चेहरे आदि पर करें।
* त्वचा को बेजान व रूखेपन से बचाने के लिए प्रतिदिन 10-12 गिलास पानी अवश्य पिएं। धूम्रपान, अल्कोहल चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक का सेवन कम करें।